शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 34 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 4 सितंबर, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और भरोसेमंद सप्लाई चेन भारत-बेल्जियम की साझा ... पेज 2
ब्रह्मपुत्र के नीचे बनेगी देश की पहली रोड-रेल सुरंग पेज 3
निकाय चुनाव से पहले भाजपा का बड़ा सियासी दांव, अलवर में प्रभारी... पेज 5
यूएस ओपन : आर्यना सबालेंका ने 53 मिनट में जीता मुकाबला, तीसरे दौर में पहुंचीं पेज 7

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

समस्त कार्य पूर्व मंत्रणा से करने चाहिएं।

– आचार्य चाणक्य

आपदाओं और ऑयलफील्ड की सुरक्षा के लिए पुलिस की दो नई बटालियन बनाएगी राज्य सरकार : सीएम

गुवाहाटी। असम दो नई खास बटालियन बनाएगा – एक आपदा से निपटने के लिए और दूसरी राज्य के तेल और गैस ठिकानों की सुरक्षा के लिए। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को देरगांव में सीनियर पुलिस अधिकारियों की दो दिन की कांफ्रेंस के बाद यह बात कही। ये फैसले उन कई उपायों में शामिल थे जिन पर कांफ्रेंस में चर्चा हुई। इन उपायों का मकसद असम पुलिस को मजबूत करना और अपराध, आपदाओं और नई सुरक्षा चुनौतियों से निपटने की उसकी क्षमता को बेहतर बनाना था। कांफ्रेंस के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि सरकार ने एक नई स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) बटालियन और दूसरी बटालियन बनाने का फैसला किया है जो ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ऑयल) के ठिकानों की सुरक्षा के लिए होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम पुलिस को मजबूत करने के लिए, हमने एक नई एसडीआरएफ बटालियन और ओएनजीसी और ऑयल की सुरक्षा के लिए एक और बटालियन बनाने का फैसला किया है। कांफ्रेंस में ड्रग तस्करी के खिलाफ राज्य के अभियान को तेज करने पर भी विस्तार से चर्चा हुई, जिसमें तस्करी के नए रास्ते, काम करने के बदलते तरीके और मुख्य तस्करों की पहचान करने के तरीके शामिल थे।

शर्मा ने कहा कि असम ड्रग्स के कारोबार से निपटने के लिए मणिपुर, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश के साथ तालमेल मजबूत करेगा और बड़े तस्करों के खिलाफ एहतियाती हिरासत जैसे उपाय करेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य एक महीने के भीतर एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स बनाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र ने हमसे इसे बनाने के लिए कहा है। प्रस्तावित यूनिट संपत्ति जब्त करने, फोरेंसिक जांच को मजबूत करने, तस्करों के वित्तीय नेटवर्क को तोड़ने और प्रक्रियात्मक खामियों को रोकने जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिनका फायदा आरोपी उठा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कुछ नशा मुक्ति केंद्रों में ड्रग्स मिलने की खबरों के बाद उन केंद्रों की भी जांच करेगी। सीनियर पुलिस सुपरिटेंडेंट और अन्य सीनियर अधिकारियों की दो दिन की कांफ्रेंस में कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने और राज्य में सजा दिलाने की दर (कनविक्शन रेट) बढ़ाने के लिए जांच को मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा हुई। शर्मा ने कहा कि सरकार ने सजा दिलाने की दर को मौजूदा 29.30 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि 2020 में असम में सजा दिलाने की दर लगभग 7 प्रतिशत थी, हम इसे बेहतर बनाना चाहते हैं और इस संख्या को 35 प्रतिशत तक लाना चाहते हैं। सरकार ने असम पुलिस की ताकत और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की योजनाओं पर भी चर्चा की। शर्मा ने कहा कि पिछले पांच सालों में लगभग 5,000 कर्मचारियों की भर्ती की गई है और अगले पांच सालों में 15,000 से 20,000 और कर्मचारियों की भर्ती करने की योजना है। उन्होंने कहा कि हम इसके लिए आ रही रुकावटों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने पर भी चर्चा हुई, जिसमें लचित बरफूकन पुलिस अकादमी को राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में अपग्रेड करने की योजना भी शामिल है। प्रस्तावित विस्तार में शूटिंग रेंज, घुड़सवारी और खेल सुविधाओं में सुधार के साथ-साथ कर्मचारियों के लिए आवास की व्यवस्था भी शामिल है। शर्मा ने पुलिस कर्मचारियों के लिए आवास की कमी का मुद्दा भी उठाया और कहा कि असम पुलिस में लगभग 90,000 कर्मचारी हैं, लेकिन आवास की सुविधा केवल 10,000 के लिए ही है। उन्होंने कहा कि हमें इसे बढ़ाकर लगभग 30,000 करना होगा। शर्मा ने कहा कि देरगांव सम्मेलन नई सरकार के तहत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की पहली ऐसी बैठक थी। उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि दो दिनों में लिए गए फैसलों को अगले छह महीनों में लागू किया जाएगा।

न्याय देने और अपराध नियंत्रण में देश के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में असम : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि 1 जुलाई, 2024 से नई आपराधिक न्याय संहिताओं के लागू होने के बाद न्याय प्रदान करने और अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में असम ने देश के बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों में अपनी स्थिति लगातार बनाए रखी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से बताया कि इस -शेष पृष्ठ दो पर

असम सीमा पर 22 बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोका गया : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया कि बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों ने भारत में कथित तौर पर गैर-कानूनी तरीके से प्रवेश करने की कोशिश कर रहे 22 लोगों को रोक दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों ने इन लोगों की पहचान कर उन्हें सीमा रेखा पर ही भारत में प्रवेश करने से रोक दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मणिपुर में तीन उग्रवादी समेत कई गिरफ्तार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के तीन सक्रिय सदस्यों, संगठन के नाम पर जबरन वसूली करने वाले एक व्यक्ति और तीन कथित मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 10.8 किलो ब्राउन शुगर/हेरोइन और 22.4 किलो गांजा -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिक्स सम्मेलन : 11 को प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में रहेगा अवकाश

नई दिल्ली (हि.स.)। राजधानी के भारत मंडपम में 11 से 13 सितंबर तक होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन के मद्देनजर केंद्र और दिल्ली के सभी सरकारी कार्यालय 11 सितंबर को बंद रहेंगे। केंद्र सरकार ने दिल्ली और नई दिल्ली में स्थित अपने कार्यालयों को भी 11 सितंबर को बंद रखने का निर्देश दिया है। दिल्ली के उपराज्यपाल ने 11 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के सभी सरकारी कार्यालयों, -शेष पृष्ठ दो पर

असम में हैरान करने वाला मामला

पुलिस चौकी में सिपाही ने फायरिंग कर अपने ही दो साथियों को उतारा मौत के घाट

बोको। असम के कामरूप जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। असम-मेघालय बॉर्डर पर स्थित एक पुलिस आउटपोस्ट पर एक पुलिसकर्मी ने अपने ही दो साथी पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना आज गुरुवार तड़के बोको पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले गमेरिमुरा पुलिस आउटपोस्ट पर सुबह 4 से 5 बजे के बीच हुई। गोलीबारी करने का आरोप 29वीं असम पुलिस बटालियन से जुड़े पुलिस कॉन्स्टेबल चिरंजीब चौधरी पर है। अधिकारियों ने बताया कि घटना के पीछे की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है। मृतकों की पहचान फजरुल अली और इंद्रजीत बोरा के तौर पर हुई है। बोरा गमेरिमुरा पुलिस आउटपोस्ट के इंचार्ज थे, जबकि अली हवलदार के पद पर तैनात थे। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों पुलिसकर्मियों को ए-टाइप सर्विस राइफल से गोली मारी गई, जिसके बाद उनकी मौत हो -शेष पृष्ठ दो पर

यूक्रेन के विदेश मंत्री से मिले एस. जयशंकर, बोले- युद्ध का अंत अब जरूरी

कीव। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा से मुलाकात की। बातचीत में रूस-यूक्रेन युद्ध, वाणिज्यिक जहाजों पर हमले, मानवीय सहायता और भारत-यूक्रेन द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा हुई। इस दौरान जयशंकर ने कीव में दो दिन पहले हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत का जिक्र करते हुए मृतक के परिवार के प्रति संवेदना जताई। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि भारत संवाद और कूटनीति के जरिए युद्ध खत्म करने के प्रयासों में मदद के लिए तैयार है। एस। जयशंकर ने कहा कि भारत लगातार यह मानता रहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है और समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलेंगे। उन्होंने बिश्केक में पीएम मोदी के हालिया संदेश

का जिक्र करते हुए कहा कि अंतहीन युद्ध अब युद्ध के अंत का रास्ता दे। विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि अगर भारत युद्ध को रोकने में किसी भी तरह मदद कर सकता है तो वो इसके लिए तैयार है। विदेश मंत्री की बातचीत में कमर्शियल जहाजों पर हमलों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। जयशंकर ने कहा कि भारतीय नाविक कई देशों के झंडे वाले जहाजों पर काम करते हैं और हमलों में भारतीय नाविक भी हताहत हुए हैं। शिपिंग पर हमलों का असर ग्लोबल साउथ के कई देशों पर पड़ रहा है, जिससे ईंधन, उर्वरक और खाद्य आपूर्ति प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने अब तक यूक्रेन को मानवीय सहायता की 19 खेप भेजी हैं, जिनमें कुल -शेष पृष्ठ दो पर

देश में छह करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य : शिवराज सिंह चौहान

मुंबई (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को मुंबई में कहा कि भारत सरकार का देश में छह करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। इनमें से साढ़े तीन करोड़ लखपति दीदियां बन चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौना ने आज मुंबई में *लखपति दीदियों* के साथ वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया और बैंकरों के साथ अपनी बैठक से पहले स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं के साथ बातचीत भी की। इसके बाद उन्होंने कहा कि आज

मैंने मुंबई में लखपति दीदियों के साथ वृक्षारोपण किया। हमारे प्रधानमंत्री ने छह करोड़ लखपति दीदियां बनाने का संकल्प लिया है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि लगभग 3.5 करोड़ लखपति दीदियां बन चुकी हैं और हम अब छह करोड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने स्वीकार किया कि अनेक औपचारिकताओं और ऋण वितरण में देरी के कारण महिलाओं को अक्सर बैंक ऋण -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान के एफ-16 को गिराने वाले अभिनंदन ने छोड़ी वायुसेना

नई दिल्ली। 27 फरवरी, 2019 को लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के ऊपर हुई डॉगफाइट के दौरान पाकिस्तानी एफ-16 लड़ाकू विमान को मार गिराने वाले और वीर चक्र से सम्मानित ग्रुप कैप्टन अभिनंदन ने भारतीय वायु सेना छोड़ दी है और एक

प्राइवेट एयरलाइन जॉइन कर ली है। अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि उन्होंने 31 मार्च को वायुसेना को छोड़ दिया और बाद में रीजनल एयरलाइन फ्लाई491 से जुड़ गए। अभिनंदन जिस हवाई लड़ाई (डॉगफाइट) में शामिल थे, वह घटना आईएएफ के मिराज-2000 -शेष पृष्ठ दो पर

जुबीन गर्ग मामला : सिंगापुर की घटना के समय मौजूद लोग गवाही देने के इच्छुक

गुवाहाटी। सिंगापुर में मौजूद कई लोग, जो असम के कल्चरल आइकन जुबीन गर्ग की मौत के समय वहां थे, कोर्ट के सामने अपना बयान दर्ज कराने के मौके का इंतजार कर रहे हैं। सिंगापुर में रहने वाले गवाह परीक्षित शर्मा ने गुरुवार को यह बात कही। घटना के समय मौजूद लोगों में शामिल शर्मा ने इस मामले की सुनवाई कर रही फास्ट-ट्रैक कोर्ट के सामने दो दिनों में अपनी गवाही पूरी की। उन्होंने कहा कि उस समय सिंगापुर में मौजूद कई अन्य लोग भी न्यायपालिका के सामने अपना पक्ष रखने के

लिए उत्सुक थे। शर्मा ने अपनी गवाही के बाद प्रेस से कहा कि घटना के समय वहां लगभग 15 से 26 लोग मौजूद थे और हर किसी का अपना नजरिया है। वे कोर्ट के सामने अपने-अपने बयान देंगे। हममें से 11 लोग, जो सिंगापुर में थे, बेचैन हैं और सोच रहे हैं कि हम कब आगे आ सकते हैं, अपना बयान दे सकते हैं और प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग मौजूद थे, वे न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग करना चाहते थे और गवाही देने के मौके का इंतजार कर रहे थे। -शेष पृष्ठ दो पर

होर्मुज का नाम बदलकर *ट्रंप स्ट्रेट* कर सकते हैं अमेरिकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम बदलकर *ट्रंप स्ट्रेट* रखने का सुझाव दिया है। ट्रंप ने दावा किया कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अब अमेरिका का नियंत्रण है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब

ईरान के साथ अमेरिका का करीब छह महीने पुराना संघर्ष जारी है और क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच *ट्रुथ सोशल* पर लिखा कि जब यह जलडमरूमध्य अमेरिका के नियंत्रण में है तो इसका नाम *होर्मुज स्ट्रेट* से बदलकर ट्रंप स्ट्रेट क्यों न कर दिया जाए। उन्होंने इसे अमेरिका की तरह और अधिक प्रभावशाली नाम बताते हुए अपनी बात रखी। इसके कुछ समय बाद व्हाइट हाउस ने भी सोशल मीडिया -शेष पृष्ठ दो पर

रक्षा क्षेत्र में सहयोग के साथ भारत-बेल्जियम पांच सालों में करेंगे व्यापार दोगुना

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत और बेल्जियम अपने व्यापार को अगले 5 सालों में दोगुना करने पर सहमत हुए हैं। दोनों देशों के नेताओं के बीच गुरुवार को हुई वार्ता के बाद 10 विषयों पर सहमति बनी। इसमें रक्षा क्षेत्र में सहयोग सबसे अहम रहा। यूरोपीय रक्षा सप्लाई चेन के तहत अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता हासिल करने तथा देश में रक्षा उत्पादन, तकनीकी विकास और सह-निर्माण को बढ़ावा देने तथा रक्षा नवाचार में निवेश के

लिए दोनों देशों के बीच में आज करार हुआ है। विदेश मंत्रालय के अनुसार बेल्जियम सुरक्षा और रक्षा उद्योग संघ (बीडीएसआई) और भारतीय रक्षा निर्माता सोसायटी (एसआईडीएम) के बीच और निकट भविष्य में ब्रुसेल्स में भारतीय दूतावास में एक रेजिडेंट डिफेंस अटैची नियुक्त करने पर समझौता हुआ है। देश में निवेश में तेजी के लिए एक तंत्र बनाया जाएगा। इससे भारत को बेल्जियम से बड़े स्तर पर भारत से निवेश प्राप्त होने की संभावना है। भारत और बेल्जियम अपने बिजनेस फॉर्म को संस्थागत -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में सौ साल पुराना हिंदू मंदिर गिराए जाने पर भारत ने जताई कड़ी आपत्ति

नई दिल्ली। पाकिस्तान के नारोवाल जिले के सिराज गांव में करीब एक सदी पुराने हिंदू मंदिर को कथित तौर पर गिराए जाने की घटना पर भारत ने गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे अल्पसंख्यक समुदाय के पूजा स्थल के खिलाफ *निंदनीय तोड़फोड़* करार दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि भारत ने पाकिस्तान के सिराज गांव में ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को नष्ट किए जाने की परेशान करने वाली रिपोर्ट्स को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि हम करीब एक सदी पुराने अल्पसंख्यक पूजा स्थल के खिलाफ इस निंदनीय तोड़फोड़ की -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

राहुल की राजनीति अब सिर्फ झूठ बोलने और भागने तक ही सीमित : केंद्रीय मंत्री

बीकानेर (हिंस)। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को बीकानेर में कहा कि राहुल गांधी की राजनीति अब सिर्फ झूठ बोलने और भागने तक ही सीमित रह गई है। वह किसी भी बात की पुष्टि नहीं करना चाहते। किसी बात की पुष्टि न करना और किसी मुद्दे पर लंबे समय तक अडिग न रहना, हमारे देश में विकसित हुई राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा नहीं है। वह झूठ बोलते हैं, भाग जाते हैं और भ्रम फैलाते हैं। बीकानेर प्रवास पर आए केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम ने पत्रकारों से कहा कि राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान अब धीरे-धीरे बंद हो रही है। मेघवाल ने यह भी कहा कि उसका शटर डाउन हो रहा है। उनकी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनके ही बीकानेर शहर अध्यक्ष को पीट दिया। इसी से साफ है कि उनकी मोहब्बत की दुकान बंद हो रही है। मेघवाल ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह घटना हमारे बीकानेर की परम्परा अनुरूप नहीं है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष के खिलाफ दुर्व्यवहार और मारपीट की घटना की मैं निंदा करता हूं।

स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और भरोसेमंद सप्लाई चेन भारत-बेल्जियम की साझा प्राथमिकताएं : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और बेल्जियम के संबंध परंपरागत क्षेत्र से आगे बढ़कर रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्र तक पहुंच गए हैं। स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और भरोसेमंद सप्लाई चेन दोनों देशों की साझा प्राथमिकताएं हैं। अगले पांच वर्षों में हम द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच सैन्य और प्रशिक्षण सहयोग को मजबूत करने पर सहमति बनी है। हम अपनी एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी भी साझा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश जेवलिन टैंक जैसे आधुनिक रक्षा उपकरणों पर साथ काम कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के काकिनाड़ा में हम दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स में से एक डेवलप कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आज दोनों देशों के बीच समझौता हुआ है। दुर्लभ खनिजों के प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण में सहयोग बढ़ाने का हमने निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर में बेल्जियम की विशेषज्ञता और भारत के स्तर एक दूसरे के पूरक हैं। इस दिशा में हम बेल्जियम के आईएमईसी इंस्टिट्यूट को भारत के सेमीकंडक्टर तंत्र से जोड़ने के लिए मिलकर काम करेंगे। वैश्विक विषयों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और बेल्जियम दोनों ही नियम आधारित व्यवस्था, संवाद और कूटनीति पर विश्वास रखते हैं। दोनों देश यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति के प्रयासों का समर्थन करते हैं और आतंकवाद के हर रूप को जड़ से समाप्त करने की प्रतिबद्धता दोहराते हैं। अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री ने भारत और बेल्जियम के संबंधों को के इतिहास को याद किया और कहा कि हजारों भारतीय सैनिकों का पहले विश्व युद्ध में साहस और बलिदान हमारी साझा स्मृति का अहम हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत की विकास यात्रा दुनिया में भरोसा पैदा कर रही है। इस संदर्भ में उन्होंने हाल ही में आए तिमाही विकास आंकड़ों का उल्लेख किया, जिसमें भारत की जीडीपी को 7.5 प्रतिशत की गति से बढ़ाने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि आज विश्व उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति है। खाद्य, ईंधन और सप्लाई चेन हर क्षेत्र में अनिश्चितता का प्रभाव बढ़ रहा है। इस चुनौती पूर्ण माहौल में भी भारत की अर्थव्यवस्था ने अपनी गति बनाए रखी है।

एक दिन में छह लोगों को सजा

डिब्रूगढ़ कोर्ट ने हत्या के पांच आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई

जोरहाट। एक ही दिन में कई लोगों को दोषी ठहराए जाने की दुर्लभ घटना में, डिब्रूगढ़ की एक अदालत ने छह अलग-अलग आपराधिक मामलों में फैसले सुनाए। अदालत ने हत्या के लिए पांच आरोपियों को उम्रकैद और एक अन्य को हत्या की कोशिश के लिए चार साल की कड़ी सजा सुनाई। जिला और सत्र न्यायाधीश रूपक रजत की अदालत ने ये सजाएं सुनाईं। ये मामले अभियोजन पक्ष द्वारा कई वर्षों से चलाए जा रहे थे। पब्लिक प्रॉसिक्यूटर निलुतपल फूकन ने कहा कि डिब्रूगढ़ की न्याय प्रणाली के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है। एक ही दिन में, माननीय जिला और सत्र न्यायाधीश रूपक रजत ने गंभीर अपराधों के लिए छह आरोपियों को दोषी ठहराया है, और यह पूरी अभियोजन टीम के लिए गर्व का क्षण है। हम समय पर जांच करने वाले जांच अधिकारियों के आभारी हैं। उम्रकैद की सजा पाने वालों में डिब्रूगढ़ सदर पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिस कांस्टेबल बिकी चेटिया भी शामिल था, जिसे अपनी गर्भवती पत्नी की हत्या का दोषी ठहराया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, चेटिया ने कथित तौर पर अपनी सर्विस पिस्तौल से गोली मारकर उसकी हत्या कर दी थी। इसके बाद डिब्रूगढ़ पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया और मामले में चार्जशीट दाखिल की, जिसके बाद अदालत ने उसे हत्या का दोषी ठहराया और उम्रकैद की सजा सुनाई। एक अन्य मामले में, सुक्रम मुराह को हत्या का दोषी ठहराया गया और उम्रकैद के साथ-साथ 10,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। अदालत ने राजीव चुंगक्रांग को भी उम्रकैद की सजा सुनाई और डिब्रूगढ़ के बैरागीमथ में अपनी पत्नी और एक अन्य व्यक्ति की हत्या का दोषी पाए जाने के बाद 50,000 रुपए का जुर्माना लगाया। इसी तरह, राजू चेटिया को भी हत्या का दोषी ठहराया गया और उम्रकैद के साथ-साथ 10,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। हत्या के एक अन्य मामले में, दीपू मेच को एक रिश्तेदार की हत्या का दोषी पाए जाने के बाद उम्रकैद की सजा सुनाई गई। पुलिस ने पहले इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। वहीं, हत्या की कोशिश के मामले में दोषी ठहराए गए पुतुल गढ़ को चार साल की कड़ी सजा सुनाई गई। इन छह मामलों में अभियोजन पक्ष का प्रतिनिधित्व अतिरिक्त पब्लिक प्रॉसिक्यूटर चिन्मयी दत्ता और निलुतपल फूकन ने किया। बुधवार को अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने से पहले अभियोजन पक्ष ने लंबे समय तक इन मामलों की पैरवी की थी। फूकन ने कहा कि ऐसे फैसले कानूनी प्रणाली में लोगों का भरोसा मजबूत करते हैं।

मणिपुर में जनगणना से पहले एनआरसी के समर्थन में आई भाजपा और कांग्रेस

इंफाल। मणिपुर में 2027 की जनगणना को फिलहाल टाल दिया गया है। मैतेई और नागा संगठनों की मांग है कि पहले *नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस* (एनआरसी) हो, उसके बाद मतगणना। दोनों संगठनों की मांग का भाजपा और कांग्रेस ने भी समर्थन किया है। इसके पीछे कई अहम कारण हैं, जिनमें घुसपैठ के आरोप, आबादी के बदलते संतुलन और भविष्य के परिसीमन की चिंता है। वहीं कुकी संगठनों ने इसका विरोध किया है। मैतेई और नागा संगठनों का दावा है कि म्यांमार से आए लोगों के कारण आबादी का स्वरूप बदला है। वे चाहते हैं कि पहले नागरिक और गैर-नागरिक की पहचान हो, फिर जनगणना में आबादी दर्ज की जाए। म्यांमार में साल 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद हजारों लोग भारत आए। इनमें कई चिन समुदाय से हैं, जिनके कुकी समुदाय से संबंध हैं। इसी कारण यह मुद्दा मणिपुर में ज्यादा संवेदनशील है। 2023 की हिंसा के बाद लोग अपने गांवों से बाहर रह रहे हैं। संगठनों का कहना है कि अभी जनगणना हुई तो विस्थापन के बाद बदली आबादी रिकॉर्ड हो सकती है। कुकी संगठनों का कहना है कि पहले जनगणना से सही आबादी का डेटा सामने आना चाहिए। पुराना कटऑफ रखा गया तो कई परिवारों की नागरिकता पर सवाल उठेंगे। मौजूदा समय में मणिपुर में 60 सीटें हैं, 40 घाटी में व 20 पहाड़ी इलाकों में। नई जनगणना के बाद परिसीमन हुआ तो सीटों का यह अनुपात बदल सकता है।

राजस्थान के 10 नगर निगम में भाजपा का बोर्ड बनेगा : द्विवेदी

बीकानेर ((हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी ने गुरुवार को बीकानेर में दावा किया कि राजस्थान के 10 नगर निगम में भाजपा का बोर्ड बनेगा। बोर्ड बनने के बाद पार्टी इन निकायों में विकास के कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों के घर तक गैस पाइप लाइन पहुंचाने का प्रयास होगा ताकि सिलेंडर के लिए चक्कर नहीं काटने पड़े। होटल सागर में पत्रकार सम्मेलन में दौरान द्विवेदी ने पार्टी के घोषणा पत्र का विमोचन भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, पूर्व सांसद राजेंद्र गहलोत, प्रदेश महामंत्री मिथिलेश गौतम, समेत कई मौजूद रहे।

रागिनी के सपनों को मिली उड़ान, अलख पांडेय ने की 10 लाख रुपए की मदद

बलिया (हिंस)। बलिया के मनियर ब्लॉक के रानीपुर गांव की सात वर्षीय दिव्यांग छात्रा रागिनी के पढ़ने और आगे बढ़ने के जज्बे ने लोगों को भावुक कर दिया है। सोशल मीडिया पर रागिनी की मदद की गुहार सामने आने के बाद अब उसके सपनों को पंख देने के लिए समाज के विभिन्न वर्गों के लोग आगे आ रहे हैं। मशहूर शिक्षक और फिजिक्स वाला के संस्थापक अलख पांडेय ने रागिनी के परिवार को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी है। रानीपुर गांव निवासी रागिनी सरकारी प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक की छात्रा है। जब वह महज सात माह की थी, तभी एक दुर्घटना में उसका एक पैर निष्क्रिय हो गया। इसके चलते उसे चलने-फिरने में काफी परेशानी होती है। इसके बावजूद रागिनी के हौसले में कोई कमी नहीं आई। पढ़ाई के प्रति उसके जुनून का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वह घर से करीब 400 मीटर दूर स्थित विद्यालय तक एक पैर के सहारे पहुंचती रही है। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर रागिनी की भावुक अपील सामने आने के बाद प्रशासन का भी ध्यान उसकी ओर गया। बुधवार को जिलाधिकारी एमपी सिंह ने रागिनी को ट्राई साइकिल प्रदान की। इससे उसकी स्कूल आने-जाने की राह कुछ आसान हुई। वहीं, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने भी रागिनी के परिजनों से बात कर उसे कृत्रिम अंग लगवाने में मदद का भरोसा दिया है।

पृष्ठ एक का शेष

न्याय देने और अपराध...

क्षेत्र में असम का प्रदर्शन 92.16 प्रतिशत रहा है, जो 74.86 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य की न्याय व्यवस्था को और मजबूत, आधुनिक तथा जन-केंद्रित बनाने के लिए उठाए गए कदमों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि नई न्याय संहिताओं के सफल क्रियान्वयन के साथ-साथ मॉडल कोड के इस्तेमाल और आपराधिक न्याय प्रणाली से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों के बीच सूचनाओं के सुचारू आदान-प्रदान के क्षेत्र में भी असम ने 100 प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है। शर्मा ने कहा कि तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल, जांच प्रक्रिया के आधुनिकीकरण और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय से न्याय प्रदान करने की प्रक्रिया अधिक तेज, पारदर्शी और प्रभावी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक पीड़ित की बात सुनना, हर मामले को पूरी निष्ठा और जवाबदेही के साथ आगे बढ़ाना तथा प्रत्येक नागरिक को समय पर न्याय सुनिश्चित करना सरकार का लक्ष्य है।

असम सीमा पर 22 ...

कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सतर्क सुरक्षा बलों ने 22 लोगों की पहचान की, जो कथित तौर पर गैर-कानूनी तरीके से भारत में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी को बॉर्डर लाइन पर ही रोक दिया गया। मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा कि *असम दी गली विच : नो एंट्री।* उन्होंने घुसपैठ की कोशिशों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसी सभी कोशिशों का यही हश्र होगा। हालांकि, मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये लोग किस देश के नागरिक थे और उन्हें असम के किस स्थान पर भारत में प्रवेश करने से रोका गया। गौरतलब है कि, असम के श्रीभूमि, कछार, धुबड़ी और दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिलों से बांग्लादेश की अंतर्राष्ट्रीय सीमा लगती है। इन जिलों में भारत-बांग्लादेश सीमा की कुल लंबाई करीब 267.5 किलोमीटर है। पूर्वोत्तर भारत में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तीन इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) हैं। इनमें असम के श्रीभूमि जिले में सुतारकांडी, मेघालय में डावकी और त्रिपुरा में अखौरा शामिल हैं। इसके अलावा भारत-भूटान सीमा पर असम के दरांगा में भी एक इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट मौजूद है। असम पुलिस पहले भी कह चुकी है कि बांग्लादेश में 2024 के राजनीतिक घटनाक्रम के बाद राज्य में सीमा सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) मिलकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि बांग्लादेश से गैर-भारतीय नागरिकों के किसी भी अवैध प्रवेश को कानून के मुताबिक रोका जा सके। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा लगातार असम की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर कथित अवैध घुसपैठ का मुद्दा उठाते रहे हैं। ताजा मामले में भी उन्होंने सुरक्षा बलों की सतर्कता की सराहना करते हुए स्पष्ट किया कि सीमा पार से अवैध प्रवेश की कोशिशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस चौकी में सिपाही...

गई। पुलिस आउटपोस्ट पर तड़के हुई गोलीबारी से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। गोलीबारी की वजहों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। इस घटना से बोको और असम-मेघालय बॉर्डर से सटे इलाकों में सनसनी फैल गई है। आगे की जानकारी का इंतजार है।

यूक्रेन के विदेश मंत्री...

160 टन सामग्री शामिल है। इसमें जनरेटर, दवाएं और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। जयशंकर ने आगे कहा कि भारत-यूक्रेन व्यापार में फार्मास्यूटिकल्स, खाद्य एवं कृषि, उर्वरक, मशीनरी, रसायन और उपभोक्ता वस्तुएं शामिल हैं। युद्ध और लॉजिस्टिक चुनौतियों के कारण पिछले चार सालों में द्विपक्षीय व्यापार प्रभावित हुआ है, लेकिन व्यापार में लचीलापन बना हुआ है और नए अवसर भी उभरे हैं। इसके अलावा शिक्षा और विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग भी दोनों नेताओं की बातचीत का हिस्सा रहा। जयशंकर ने यूक्रेन में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की देखभाल के लिए यूक्रेनी अधिकारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य के सहयोग में डिजिटल क्षमता, इनोवेशन, स्टार्टअप और एआई जैसे क्षेत्रों पर जोर दिया जा सकता है और एआई के जरिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और गवर्नेंस में सहयोग की नई संभावनाओं पर चर्चा होगी। इस दौरान जयशंकर ने यूक्रेन के विदेश मंत्री को भारत आने का न्यौता दिया। दोनों देशों के बीच अगली अंतर-सरकारी आयोग की बैठक भारत में आयोजित करने का प्रस्ताव है।

देश में छह करोड़ ...

प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बैंक अधिकारियों से मिलने से पहले, आज मुंबई में एक बैठक निर्धारित है। हमने पहले स्वयं महिलाओं से परामर्श करने का निर्णय लिया है। वे महिलाएं जो स्वयं सहायता समूहों में काम कर रही हैं और लखपति दीदी बनने के लिए विभिन्न व्यवसाय शुरू कर रही हैं। हम उनकी कठिनाइयों और चुनौतियों को समझना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बैंक ऋणों की बदौलत वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने और *लखपति* का दर्जा हासिल करने में सक्षम तो हो गई हैं, लेकिन उन्हें कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। इनमें ऋण के लिए आवश्यक जटिल कागजी कार्रवाई और औपचारिकताएं, बार-बार बैंक जाना, गारंटी या गिरवी की मांग और ऐसे मामले शामिल हैं जहां 5 लाख रुपए की जरूरत होने के बावजूद उन्हें केवल 1.5 लाख रुपए का ऋण मिलता है। हम इन मामलों को सुलझाने के लिए बैंक अधिकारियों के साथ बैठक करने जा रहे हैं... हमारा लक्ष्य है कि स्वयं सहायता समूहों को कुल 10 लाख करोड़ रुपए का ऋण मिले और प्रत्येक महिला को पांच वर्षों में 1 लाख करोड़ रुपए का ऋण मिले ताकि उनके काम में सहायता मिल सके। महिलाओं के साथ हुई चर्चा के बाद आज बैंक अधिकारियों के साथ हो रही बैठक का उद्देश्य इसी लक्ष्य को पूरा करना है।

पाकिस्तान के एफ-16 ...

विमानों द्वारा पाकिस्तान के बालाकोट में ठिकानों पर हमले के एक दिन बाद हुई थी। यह हमला कश्मीर में 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा आत्मघाती हमले के जवाब में किया गया था, जिसमें सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के 40 जवान मारे गए थे। उस समय वे विंग कमांडर थे। उस समय 35 साल के अभिनंदन ने मिलिट्री एविएशन के इतिहास में एक मिसाल कायम की। उन्होंने एक एफ-16 को मार गिराया और इसके कुछ ही सेकंड बाद उनके अपने मीग-21 बाइसन पर मिसाइल से हमला हुआ, जिसके कारण उन्हें इजेक्ट करना पड़ा। जानकारों ने इसे मीग-21 बाइसन द्वारा एफ-16 को मार गिराने की पहली घटना बताया क्यों ये दोनों अलग-अलग जेनरेशन के फाइटर जेट हैं। अपने विमान से बाहर निकलने के बाद उन्हें पकड़ लिया गया था, लेकिन लगभग 60 घंटे तक हिरासत में रखने के बाद पाकिस्तान ने उन्हें 1 मार्च, 2019 को भारत वापस भेज दिया। दिसंबर 2019 में गजट ऑफ इंडिया में प्रकाशित अभिनंदन के प्रशस्ति-पत्र में कहा गया है कि उन्होंने पाकिस्तानी विमानों के समूह का बहादुरी से सामना किया, जबकि वे संख्या और तकनीक के मामले में कहीं ज्यादा मजबूत स्थिति में थे। साथ ही, अभिनंदन की आक्रामक चालों ने दुश्मन के विमानों को रणनीतिक रूप से उलझन में डाल दिया। फरवरी 2019 में अभिनंदन मीग-21 बाइसन स्क्वाड्रन में तैनात थे और श्रीनगर एयर फोर्स स्टेशन पर ऑपरेशनल रेडीनेस प्लेटफॉर्म ड्यूटी पर थे, तभी पाकिस्तान एयर फोर्स के कई फाइटर जेट्स के एक बड़े ग्रुप को एलओसी की ओर बढ़ते हुए देखा गया। साइटेशन में कहा गया है कि उन्होंने पीछे हट रहे दुश्मन के फाइटर जेट का पीछा किया और हवा में हुई लड़ाई में एक एफ-16 को मार गिराया। इसमें कहा गया कि हालांकि, इस अफरातफरी के दौरान दुश्मन के एक विमान ने कई एडवांस्ड बीवीआर मिसाइलें दागीं, जिनमें से एक उनके विमान से टकरा गई, जिससे उन्हें दुश्मन के इलाके में इजेक्ट करना पड़ा।

जुबीन गर्ग मामला : सिंगापुर ...

उन्होंने कहा कि हर कोई आएगा और जुबीन गर्ग को न्याय दिलाने के लिए अपना बयान देगा। हम सभी गवाही देने के मौके का इंतजार कर रहे हैं। शर्मा का अपना बयान बुधवार और गुरुवार को कोर्ट के सामने दर्ज किया गया। आरोपी का पक्ष रखने वाले वकील ने उनसे जिरह भी की। शर्मा ने कहा कि मेरा गवाही का बयान अभी पूरा हुआ है और आरोपी के वकील ने मुझसे जिरह भी की। मैंने कोर्ट के सामने अपना सच रखा है। अगर मेरा सच जुबीन गर्ग को न्याय दिलाने में एक प्रतिशत भी मदद करता है, तो मैं आभारी महसूस करूंगा। हालांकि, उन्होंने चल रही सुनवाई और मामले में गवाह के तौर पर अपनी स्थिति का हवाला देते हुए घटना के विवरण पर चर्चा करने से इनकार कर दिया। शर्मा ने कहा कि वह पहले पिछले साल 13 अक्तूबर को कोर्ट के सामने पेश हुए थे और कोर्ट में अपनी हालिया पेशी से एक दिन पहले एक-सदस्यीय न्यायिक आयोग के सामने भी अपना बयान दर्ज कराया था। शर्मा ने कहा कि वह पहले पिछले साल 13 अक्तूबर को कोर्ट के सामने पेश हुए थे। अपनी हालिया पेशी के बारे में उन्होंने बताया कि उन्हें 25 अगस्त को समन मिला और वे 2 सितंबर को भारत आए। लोगों से न्यायिक प्रक्रिया में भरोसा रखने का आग्रह करते हुए शर्मा ने कहा कि कोर्ट का अंतिम फैसला ही घटनाओं के क्रम को स्पष्ट करेगा। उन्होंने कहा कि अदालत का फैसला एक सार्वजनिक दस्तावेज होगा और इससे घटनाओं का सही क्रम पता चलेगा। लोगों को न्याय व्यवस्था पर भरोसा रखना चाहिए। सिंगापुर में उनके साथ मौजूद लोगों के लिए कलाकार की अहमियत का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी गवाही से न्याय दिलाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मैं कैसे बताऊं कि जुबीन गर्ग हमारे लिए क्या मायने रखते थे? मैं इसे ठीक से बयां नहीं कर सकता। अगर मेरी गवाही से पांच प्रतिशत भी मदद मिलती है, तो मैं आभारी रहूंगा। यह कहते हुए कि घटना से जुड़ी जानकारी कानूनी प्रक्रिया के जरिए सामने आनी चाहिए, शर्मा ने कहा कि जो लोग वहां मौजूद थे, वे बुलाए जाने पर सही मंच के सामने अपनी बात रखेंगे। उन्होंने कहा कि हमने न्यायिक आयोग के सामने पहले ही सब कुछ बता दिया है और अदालत के सामने जो कुछ भी कहना होगा, हम वहीं कहेंगे।

होर्मुज का नाम बदलकर...

पर फारस की खाड़ी का एक नक्शा साझा किया, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को ट्रंप स्ट्रेट के नाम से चिह्नित किया गया था। पोस्ट में कहा गया कि इस नाम का अपना एक अलग आकर्षण है। ट्रंप का यह सुझाव भौगोलिक स्थलों के नाम बदलने को लेकर उनके हालिया रुख की कड़ी का हिस्सा है। अपने दूसरे कार्यकाल में कई भौगोलिक नामों को बदलने की पहल ट्रंप ने की है। इनमें मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर *गल्फ ऑफ अमेरिका* करना और उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी डेनाली का नाम फिर से *माउंट मैकिन्ले* करना शामिल है। हाल में उन्होंने कनाडा के साथ व्यापारिक तनाव के बीच लेक ओंटारियो का नाम *लेक अमेरिका* करने संबंधी आदेश भी जारी किया था।

रक्षा क्षेत्र में सहयोग ...

बनाने पर सहमत हुए हैं। इससे दोनों देशों से भारतीयों को बेल्जियम और यूरोपीय व्यापार जगत के साथ मिलकर व्यापार के अवसर तलाश में मदद मिलेगी। भारत और बेल्जियम काउंसलर डायलॉग स्थापित करेंगे, ताकि छात्रों, प्रोफेशनल और यात्रियों तथा व्यापारियों की आवाजाही आसान हो। इसके अलावा दोनों देशों के बीच नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ा समझौता हुआ है। संगठित अपराध और अंतर्राष्ट्रीय साइबर तथा अन्य अपराधों से जुड़े मामलों के लिए दोनों देशों की एजेंसियों (सीबीआई और बेल्जियम की संघीय पुलिस) सहयोग से जुड़ा हुआ समझौता हुआ है। दोनों देशों के बीच में राजनीतिकों के प्रशिक्षण को लेकर भी समझौता हुआ है। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर 2-4 सितंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उनके साथ बेल्जियम के रक्षा और विदेश व्यापार मंत्री थियो फ्रैंकन और अधिकारियों तथा व्यापारिक नेताओं का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। फरवरी, 2025 में पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री डी वेवर की यह पहली भारत यात्रा है। प्रधानमंत्री डी वेवर ने अपनी यात्रा की शुरुआत आज राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर की। इसके बाद प्रधानमंत्री डी वेवर ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ पहले सीमित प्रारुप और बाद में प्रतिनिधिमंडल स्तर पर द्विपक्षीय बातचीत की। उनकी चर्चाओं में दोनों देशों के बीच संबंधों के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री डी वेवर और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल के लिए दोपहर के भोजन (लंच) का आयोजन किया। वार्ता के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में बताया गया कि बेल्जियम ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विस्तार के बाद स्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन दोहराया। दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के लिए एक-दूसरे की उम्मीदवारी का भी समर्थन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख बेल्जियम विश्वविद्यालयों और शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों को भारत की नई शिक्षा नीति के तहत भारत में कैंपस खोलने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने सीमा-पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने अप्रैल, 2025 में भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए आतंकवादी हमले की एक बार फिर निंदा की। उन्होंने बदलते आतंकवादी खतरों से निपटने में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से आतंकवाद-रोधी मामलों पर बेल्जियम-भारत संयुक्त कार्य समूह की स्थापना की संभावना तलाशने की इच्छा व्यक्त की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के विकास और विविधता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने सेमीकंडक्टर, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, रक्षा औद्योगिक सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों के शोधन और रीसाइक्लिंग, टिकाऊ उद्योगों और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग का स्वागत किया, जिसमें निजी क्षेत्र के हितधारकों के साथ सहयोग के नए अवसरों की खोज करना भी शामिल है। दोनों नेताओं ने बेल्जियम के सॉवरेन वेल्थ फंड, फेडरल होल्डिंग एंड इन्वेस्टमेंट कंपनी और भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के बीच चल रही बातचीत का भी स्वागत किया। उन्होंने इंडो-बेल्जियन आर्थिक और निवेश कॉरिडोर स्थापित करने में मदद के लिए हुए इस सहयोग को औपचारिक रूप देने की उम्मीद जताई। दोनों प्रधानमंत्रियों ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया में हाल की घटनाओं सहित प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। यूक्रेन में युद्ध के संबंध में, दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के अनुसार, बातचीत और कूटनीति के माध्यम से व्यापक, न्यायपूर्ण और स्थायी शांति प्राप्त करने के प्रयासों के लिए अपना समर्थन दोहराया। पश्चिम एशिया पर, उन्होंने क्षेत्र में चिंताजनक हालिया घटनाक्रमों पर चर्चा की और चुनौतियों का शांतिपूर्ण ढंग से समाधान करने के लिए बातचीत और कूटनीतिक जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने समुद्री मार्गों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने तथा सुरक्षित और निर्बाध समुद्री शिपिंग बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आपसी सुविधा के समय बेल्जियम की द्विपक्षीय यात्रा करने का निमंत्रण दिया।

पाकिस्तान में सौ साल ...

स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। भारत ने मंदिर की सुरक्षा में पाकिस्तानी अधिकारियों की कथित नाकामी पर भी सवाल उठाया। जायसवाल ने कहा कि अधिकारियों की स्पष्ट उदासीनता और मंदिर की सुरक्षा करने में विफलता चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की लगातार बनी हुई असुरक्षा तथा उनकी धार्मिक स्वतंत्रता और पूजा स्थलों के गंभीर उल्लंघन की याद दिलाती हैं। भारत ने पाकिस्तान सरकार से घटना की तत्काल और पारदर्शी जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ पूरी जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की है। विदेश मंत्रालय ने साथ ही पाकिस्तान सरकार से मंदिर के पुनर्स्थापन के लिए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने को कहा है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी अपने सभी अल्पसंख्यक नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना और उनकी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत का संदेश साफ है कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना वहां की सरकार की जिम्मेदारी है और मंदिर तोड़े जाने की घटना में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

मणिपुर में तीन ...

समेत एक वाहन तथा मोबाइल फोन बरामद किए गए। असम राइफल्स से मिली पुष्ट खुफिया सूचना के आधार पर सीडीओ-इंफाल पश्चिम की टीम ने घारी अवांग लीकाई में तलाशी अभियान चलाकर प्रतिबंधित संगठन यूएनएलएफ (के) के सक्रिय सदस्य येंगकोकपम मलेमंगनबा मैतेई (29), उर्फ मोटू, को गिरफ्तार किया। वह थौबल जिले के चरांगपत मामांग लीकाई का निवासी है और कथित तौर पर जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था। उसके कब्जे से सफेद रंग की महिंद्रा बोलेरो वाहन बरामद की गई। बाद की कार्रवाई में संगठन के दो अन्य सक्रिय सदस्यों सलाम टोम्बा सिंह (22), उर्फ टोंडोनबा, निवासी खाबाम बामदियार मायाई लीकाई, इंफाल पश्चिम तथा कोंसाम विवेक मैतेई (21), निवासी चरांगपत माकलांग मायाई लीकाई, थौबल को भी गिरफ्तार किया गया। एक अन्य अभियान में 31 असम राइफल्स से मिली खुफिया सूचना के आधार पर सीडीओ-इंफाल पूर्व ने येंसेम्बम राजेश मैतेई (28), उर्फ अबुंग उर्फ खाना, को लामलोंग बाजार से गिरफ्तार किया। उस पर कथित तौर पर खुद को केसीपी (एमएफएल) का सदस्य बताकर कोनुंग मामांग स्थित एक दुकान से संगठन के नाम पर पैसे वसूलने का आरोप है। इधर, जिरीबाम जिला पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने माखा बस्ती में एक ट्रक को रोककर तलाशी ली। ट्रक की छत के हिस्से में छिपाकर रखी गई 10.8 किलोग्राम ब्राउन शुगर/हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने ट्रक चालक अजहर हुसैन उर्फ मोनू, निवासी न्यू खैराबाद एफवी, लालपानी, कछार जिला, असम को गिरफ्तार किया। एक अन्य अभियान में असम राइफल्स से मिली खुफिया सूचना के आधार पर सीडीओ-इंफाल पूर्व ने थौबल जिले के थौबल फौदेल से दो कथित मादक पदार्थ तस्करों अकोइजाम सुशील मैतेई (43), उर्फ इनाओटन और थोइबा नामीरकपम (31), उर्फ इबुंगो को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 22.4 किलो गांजा और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। इन सभी मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

ब्रिक्स सम्मेलन : 11 को ...

स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में अवकाश घोषित किया है। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की आधिकारिक सूचना में कहा गया कि 11 से 13 सितंबर तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में ब्रिक्स बिजनेस फोरम और 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन होना है। आदेश में कहा गया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में करीब 30 सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख और प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम के व्यापक स्वरूप और आम लोगों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए दिल्ली और नई दिल्ली में स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों को 11 सितंबर को बंद रखने का फैसला किया गया है। दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से 3 सितंबर को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि ब्रिक्स सम्मेलन और उससे जुड़े इंतजामों के मद्देनजर 11 सितंबर को दिल्ली सरकार के अधीन सभी सरकारी कार्यालयों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में अवकाश रहेगा। यह आदेश दिल्ली के उपराज्यपाल की ओर से जारी किया गया है।

असम में इंफ्रास्ट्रक्चर का मेगा प्रोजेक्ट

ब्रह्मपुत्र के नीचे बनेगी देश की पहली रोड-रेल सुरंग

गुवाहाटी (हिंस)। असम के विकास की अविराम और अदम्य यात्रा अब अभूतपूर्व ऊंचाइयों को छूने की दिशा में अग्रसर है। विशेष रूप से, राज्य के अवसंरचनात्मक रूपांतरण ने हाल के समय में उल्लेखनीय और चमत्कारिक गति प्राप्त की है। असम आज ऐसे अनेक महत्वाकांक्षी और दूरदर्शी परियोजनाओं के क्रियान्वयन की ओर दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ रहा है, जिनकी कभी राज्य की जनता ने स्वप्न में भी कल्पना नहीं की थी। इन ऐतिहासिक परियोजनाओं के सफलतापूर्वक पूर्ण हो जाने के पश्चात असम देश के अग्रणी राज्यों की पंक्ति में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असम के प्रति गहरी आत्मीयता, अटूट सद्भावना और अडिग प्रतिबद्धता तथा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की प्रशासनिक दक्षता, दूरदर्शिता, कार्यकुशलता और राज्य के प्रति समर्पित दायित्वबोध के कारण ही असम उन स्वप्नों को साकार करने की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ सका है, जिन्हें कभी असंभव माना जाता था। ऐसी ही एक परिवर्तनकारी परियोजना है गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच प्रस्तावित सुरंग मार्ग। प्रचंड ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे सुरंग निर्माण का यह असाधारण और कभी अकल्पनीय सपना अब वास्तविकता का स्वरूप ग्रहण करने की दिशा में तीव्र गति से बढ़ रहा है।

राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) ने इस महत्वाकांक्षी सड़क तथा रेल सुरंग परियोजना के निर्माण हेतु पहले ही निविदाएं आमंत्रित कर दी हैं। निविदाएं आमंत्रित किए जाने के साथ ही इस विराट और दूरदर्शी परियोजना के वास्तविक क्रियान्वयन की दिशा में पहला निर्णायक कदम उठाया जा चुका है। उपरोक्त बातें प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में गुरुवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता कमल कुमार मेधी ने की। उन्होंने परियोजना की प्रमुख विशेषताओं का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पांच वर्षों के भीतर पूर्ण किए जाने के लक्ष्य के साथ प्रस्तावित यह परियोजना गोहपुर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-15 को नुमालीगढ़ स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-715 से जोड़ेगी। इस परियोजना के अंतर्गत 33.77 किलोमीटर लंबा, चार लेन वाला, एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर विकसित किया जाएगा, जिसमें ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे 15.79 किलोमीटर लंबी ट्विन-ट्यूब सुरंग का निर्माण किया जाएगा। इन दो सुरंग ट्यूबों में से एक में रेलवे अवसंरचना का भी प्रावधान होगा। इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एवं कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मॉडल के अंतर्गत क्रियान्वित की जाने वाली इस परियोजना की कुल पूंजीगत लागत 18,662.02 करोड़ निर्धारित की गई है। इसमें सिविल निर्माण की अनुमानित लागत 11,982.36 करोड़ तथा भूमि अधिग्रहण की लागत 716.65 करोड़ निर्धारित की गई है। परियोजना में 1.26 किलोमीटर लंबा कट-एंड-कवर सड़क खंड तथा चार किलोमीटर लंबा कट-एंड-कवर रेलवे खंड भी सम्मिलित होगा। परियोजना पूर्ण होने के पश्चात इसके भारत की पहली एकीकृत सड़क एवं रेल अंडरवॉटर सुरंग तथा विश्व में अपने प्रकार की संभावित रूप से दूसरी ऐसी सुरंग बनने की संभावना है। वर्तमान में नुमालीगढ़ और गोहपुर के बीच सड़क मार्ग की दूरी लगभग 240 किलोमीटर है। यात्री वाहनों को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान तथा कालियाभोमोरा पुल से होकर गंतव्य तक पहुंचने में लगभग पांच से छह घंटे का समय लगता है। उन्होंने बताया कि नया कॉरिडोर चालू होने के बाद यह दूरी नाटकीय रूप से घटकर लगभग 34 किलोमीटर रह जाएगी, जबकि यात्रा का समय लगभग 20 मिनट तक सीमित हो जाएगा। गोहपुर छोर पर यह परियोजना पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के रंगिया मंडल की रंगिया-मुरकोंगसेलेक रेल लाइन से जुड़ जाएगी। वहीं नुमालीगढ़ छोर पर यह तिनसुकिया मंडल की फरकाटिंग-मरियानी लूप लाइन के साथ संपर्क स्थापित करेगी। सड़क संपर्क के दृष्टिकोण से यह कॉरिडोर राष्ट्रीय राजमार्ग-15 और राष्ट्रीय राजमार्ग-715 को प्रत्यक्ष रूप से जोड़ेगा। यह परिवर्तनकारी संपर्क व्यवस्था नुमालीगढ़, गोहपुर, तेजपुर, डिब्रूगढ़ और ईटानगर के बीच कहीं अधिक तेज, निर्बाध और सुविधाजनक आवागमन सुनिश्चित करेगी। परियोजना के कारण डोनी पोलो होलोंगी हवाई अड्डे और तेजपुर हवाई अड्डे तक पहुंच भी और अधिक सुगम होगी। इसके अतिरिक्त नुमालीगढ़, गोहपुर, गोलाघाट टाउन और सिमालुगुड़ी जंक्शन रेलवे स्टेशनों के साथ संपर्क और सुदृढ़ होगा। विश्वनाथ घाट और तेजपुर के अंतर्देशीय जलमार्ग टर्मिनल भी इस समन्वित बहु-माध्यमीय संपर्क व्यवस्था से महत्वपूर्ण रूप से लाभान्वित होंगे। प्रस्तावित कॉरिडोर 11 आर्थिक केंद्रों, तीन सामाजिक केंद्रों, दो पर्यटन केंद्रों और आठ लॉजिस्टिक केंद्रों के बीच बहुआयामी संपर्क को अत्यंत सुदृढ़ करेगा। नुमालीगढ़ औद्योगिक क्षेत्र, जोरहाट डीआईसी, तिताबर आईआईडीसी, जोनाकीनगर औद्योगिक क्षेत्र, नगांव औद्योगिक एस्टेट, डेमो आईआईडीसी, शिवसागर औद्योगिक एस्टेट, नलतली आईआईडीसी, दोलाबाड़ी औद्योगिक क्षेत्र, विश्वनाथ मिनी औद्योगिक क्षेत्र तथा जोगीघोपा मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क को उन्नत संपर्क का प्रत्यक्ष और व्यापक लाभ प्राप्त होगा। पर्यटन क्षेत्र को भी इस परियोजना से एक नई ऊर्जा और उल्लेखनीय गति मिलने की संभावना है। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और देवपहाड़ पुरातात्त्विक स्थल तक अधिक सुगम एवं तीव्र पहुंच से पर्यटन को विशेष प्रोत्साहन मिलेगा। यह परियोजना दीमा हसाओ जैसे जनजातीय जिलों तथा उदालगुड़ी और दरंग जैसे आकांक्षी जिलों के साथ आर्थिक संपर्क को और अधिक सशक्त बनाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

अर्जुन पुरस्कार विजेता भोगेश्वर बरुवा को मुख्यमंत्री ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को राज्य खेल दिवस के अवसर पर राज्य के दिग्गज खिलाड़ी और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित भोगेश्वर बरुवा (86) को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में भोगेश्वर बरुवा को असम तथा पूर्वोत्तर के पहले अर्जुन पुरस्कार प्राप्तकर्ता के रूप में याद करते हुए उनके खेल योगदान को नमन् किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और असम के प्रत्येक क्षेत्र से खेल प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए भी सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि असम की लवलीना बरगोहाईं, हिमा दास, नयनमणि सैकिया, रियान पराग और उमा जैसी खेल प्रतिभाओं की सफलता की कहानियां आने वाले दिनों में और अधिक देखने को मिलें, इसके लिए सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम करती रहेगी। गौरतलब है कि, भोगेश्वर बरुवा भारत के पूर्व एथलीट, कोच और मिलिट्री ड्राइवर हैं। वे असम और पूर्वोत्तर भारत से अर्जुन पुरस्कार पाने वाले पहले व्यक्ति हैं। 1966 के एशियाई खेलों में उन्होंने 800 मीटर दौड़ 1-49.4 के समय में जीतकर खेलों का रिकॉर्ड बनाया। बाद में उन्होंने 1970 के एशियाई खेलों में भारतीय 4 × 400 मीटर रिले टीम के सदस्य के रूप में रजत पदक जीता, जिसने 3-11.9 का समय लिया। शिवसागर में जन्मे और जॉयसागर तालाब के पास पले-बढ़े बरुवा 1960 में भारतीय सेना के इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर (ईएमई) में ड्राइवर के रूप में भर्ती हुए।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर राज्यवासियों को भाजपा अध्यक्ष ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश के अध्यक्ष व लोकसभा सांसद दिलीप सैकिया ने पूरे राज्यवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाइयां दी हैं। अपने एक शुभकामना संदेश में दिलीप सैकिया ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन और श्रीमद्भगवगीता की अमर दिशा सदैव मानव समाज को सत्य, धर्म, न्याय, कर्तव्य और नि:स्वार्थ कर्म का मार्ग दिखाती रही है। अन्याय के खिलाफ खड़े होकर धर्म की स्थापना के लिए श्रीकृष्ण द्वारा दी गई शिक्षा आज भी पूरे मानव जाति के लिए समान रूप से प्रासंगिक है। उन्होंने साथ ही कहा कि यह पवित्र त्योहार समाज में शांति, सौहार्द, भाईचारे और आध्यात्मिक चेतना का संचार करे।

पुलिस मुठभेड़ में दो वाहन चोरों की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर के बाहरी इलाका सोनापुर में पुलिस के साथ हुए मुठभेड़ में दो वाहन चालक की मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि सोनापुर पुलिस की एक टीम वाहन चोरों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया। जिस दौरान पुलिस को गोली चलानी पड़ी। थाना क्षेत्र के मारकदला इलाके में आज तड़के हुए मुठभेड़ में सैफुल आलम लश्कर और बाबू सिंह मारा गया। मृत सैफुल आलम कछार और बाबुल सिंह मणिपुर इंफाल का रहने वाला था। गुवाहाटी के पान बाजार समीप से टाटा एसी (एएस-01केसी3128) वाहन चोरी करने की कोशिश के दौरान पानबाजार पुलिस ने दोनों चोर का पीछा किया। दोनों चोर पानबाजार से आमसिंह जोराबाट होते हुए दिगारू सोनापुर की ओर भागने की कोशिश की। सोनापुर पुलिस भाग रहे चोरों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस को देख दोनों चोरों ने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस को भी गोली चलानी पड़ी। जिसमें दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल से दो पिस्टल और कई मोबाइल फोन बरामद किया है। हालांकि दोनों चोरों का अन्य एक साथी अंधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए सैफुल इस्लाम लस्कर वाहन चोरों का मास्टरमाइंड था । दोनों शवों को सोनापुर चिकित्सालय में रखा गया है। फरार चोर की पुलिस तलाश कर रही है । पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

ई-ऑटो रिक्शा डीलर पर धोखाधाड़ी का आरोप

जोरहाट (हिंस)। गोलाघाट के एक ई-ऑटो रिक्शा डीलर पर धोखाधाड़ी का आरोप लगा है। आरोप है कि गोलाघाट के बजाज कंपनी के इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा के डीलर अक्षय करनानी ने टियोक में सब डीलर बनाने के नाम पर 6 लाख रूपए लिए। पीड़ित महिला व्यापारी ने आरोप लगाया कि टियोक में किराये की दुकान में बैंक से कर्ज लेकर सब डीलर के शो रूम की सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली। लेकिन कई महीनें बीत जाने के बाद भी करनानी ने कोई कार्रवाई नहीं की। महिला ने बताया है कि खानापूर्ति के नाम पर कुछ दिन के लिए डेमो के नाम पर एक ऑटो रिक्शा भेज दिया। कुछ दिन बाद उसे भी लेकर चले गए। फोन का भी जवाब नही देते। ट्रेड लाइसेंस, एनओसी व शो रूम बनाने

में लाखों रुपए खर्च हो गए। इस संबंध में जिला आयुक्त, परिवहन अधिकारी तथा पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। पीड़िता ने बताया कि गत मई महीनें में उनके पति को करनानी ने गोलाघाट बुलाया। जहां सब डीलर का एग्रीमेंट हुआ। करनानी के खिलाफ टियोक के बामुनपुखुरी पुलिस चौकी में मामला दर्ज कराया गया है। दूसरी तरफ जोरहाट के केंदुगुड़ी में भी परिवहन विभाग की अनुमति के बगैर इस तरह के ऑटो बेचे जा रहे हैं। परिवहन विभाग ने ऐसे कई ऑटो रिक्शा को जब्त किया है। जिला परिवहन अधिकारी धनंजय सैकिया ने बताया कि आरटीए की बैठक में शहर में ई-रिक्शा व ऑटो रिक्शा के परमिट जारी न करने का फैसला किया था। केंद्र सरकार द्वारा देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन को बढ़ावा देने के फैसले का परिवहन प्राधिकरण ने भी ई-रिक्शा संचालन की अनुमति देने के लिए एक उप कमिटी का भी गठन किया है। लेकिन प्राधिकरण के निर्णय को औपचारिक रूप से लागू होने से पहले ही गोलाघाट के अक्षय करनानी की मालिकाधीन असम ऑटो कार्ट ने मुनाफा कमाने के मकसद से सैकड़ों इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा की बिक्री की। गैर कानूनी तरीके से बेचे गए ऑटो रिक्शा को परिवहन विभाग ने जब्त भी किया है।

कांग्रेस ने राइजर दल से गठबंधन तोड़ा

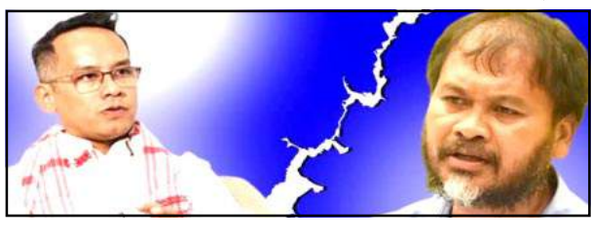

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस ने राइजर दल के साथ अपने गठबंधन को औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया है। विपक्ष के नेता वाजेद अली चौधरी ने गुरुवार को गठबंधन तोड़ने की घोषणा करते हुए कहा कि राइजर दल ने गठबंधन की मर्यादा और धर्म को भुलाकर कांग्रेस का तिरस्कार किया है। चौधरी ने कहा कि राइजर दल घर के भीतर रहकर दुश्मनी करने के बजाय अब बाहर रहकर खुलकर कांग्रेस का विरोध करे। उन्होंने कहा कि इसी कारण आज से राइजर दल के साथ गठबंधन से जुड़े सभी औपचारिक संबंध समाप्त कर दिए गए हैं। गठबंधन टूटने के बाद यह विपक्ष के नेता वाजेद अली चौधरी की यह पहली प्रतिक्रिया है। यह घटनाक्रम दोनों दलों के बीच बढ़ते मतभेदों के बीच सामने आया है। हाल ही में राइजर दल के नेता अखिल गोगोई ने कांग्रेस को भारत की *सबसे सड़ी हुई पार्टी* करार दिया था। उन्होंने कांग्रेस को दुनिया की *सबसे भ्रष्ट पार्टी* भी बताया था।

कोकराझाड़ के आरएनबी सिविल अस्पताल में छह डायलिसिस यूनिट की स्थापना के लिए एमओयू

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ के आरएनबी सिविल अस्पताल में छह डायलिसिस यूनिट स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस संबंध में बीजीआर टाउनशिप स्थित मानस गेस्ट हाउस में भारतीय तेल निगम लिमिटेड (आईओसीएल), बंगाईगांव रिफाइनरी और बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के बीच बुधवार की देर शाम को आयोजित कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह परियोजना आईओसीएल, बंगाईगांव रिफाइनरी की कॉरपोरेट एनवायरनमेंट रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीईआर) पहल के तहत लागू की जाएगी। परियोजना के एंडोसरी एवं कोकराझाड़ के जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती, एसीएस इस अवसर पर उपस्थित रहे। एमओयू पर बीटीसी के अतिरिक्त प्रधान सचिव प्रणजीत वारि, एसीएस तथा आईओसीएलद्ध बोंगाईगांव रिफाइनरी के महाप्रबंधक (एचआर) मुसुखा बोडो ने हस्ताक्षर किए। समारोह में आईओसीएल, बंगाईगांव रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख नयन कुमार बरुवा, बीटीसी के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के निदेशक-सह-सीएचडी डॉ. नीलू कुमार ब्रह्म सहित आईओसीएल और स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। आरएनबी सिविल अस्पताल में छह डायलिसिस यूनिट की स्थापना से कोकराझाड़ तथा आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को डायलिसिस जैसी आवश्यक चिकित्सा सेवा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

प्रथम वाहिनी एसएसबी की *जी* समवाय में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। असम कैंसर केयर फाउंडेशन (सीओपी), होजाई द्वारा कम्युनिटी आउटरिच प्रोग्राम के तहत गुवाहाटी के सोनापुर स्थित प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की *जी* समवाय, होजाई में गुरुवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन प्रथम वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में किया गया। स्वास्थ्य शिविर के दौरान *जी* समवाय, होजाई में तैनात सभी जवानों के ब्लड प्रेशर, रैंडम ब्लड शुगर एवं ओरल कैंसर की नि:शुल्क जांच की गई। साथ ही, जवानों को स्वास्थ्य एवं कैंसर से बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया। इस अवसर पर असम कैंसर केयर फाउंडेशन की ओर

से डेंटल सर्जन डॉ. अस्मिता सरकार, जिला को-ऑर्डिनेटर समीम सुलताना एवं तोराली गोगोई उपस्थित रहीं और उन्होंने जांच एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई। स्वस्थ जवान ही सशक्त बल की नींव हैं। इस सराहनीय स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच अभियान के लिए सशस्त्र सीमा बल के सभी जवानों द्वारा असम कैंसर केयर फाउंडेशन का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया। यह स्वास्थ्य शिविर जवानों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही। शिविर में सशस्त्र सीमा बल के सभी जवानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

धुबड़ी : पत्रकार को मातृशोक

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी स्थित तीन नंबर वार्ड के निवासी तथा वरिष्ठ पत्रकार प्राणबाशिश राय की मां लक्खी रानी राय (82) का निधन हो गया। मिली जानकारी के अनुसार पत्रकार की मा लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थी। उन्हें धुबड़ी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में डॉक्टरों ने पत्रकार की माता की स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने पर उन्हें आईसीयू मे भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। लक्खी रानी राय अपने पीछे एक बेटी, तीन बेटा, बहू और पोता पोतियों सहित कई कई शुभचिंतकों को पीछे छोड़ गई। उनके निधन पर धुबड़ी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के साथ-साथ कई शिक्षकों तथा सरकारी कर्मचारियों के अलावा विभिन्न दल-संगठनों ने शोक प्रकट किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए कामना की।

रंगिया वकील संस्था की आम सभा संपन्न, नई समिति गठित

रंगिया (विभास)। रंगिया वकील संस्था की साधारण सभा गत दिनों संस्था के सभागार में आयोजित की गई। इस साधारण सभा में पुरानी समिति को भंग कर वर्ष 2026-27 के लिए 25 सदस्यीय नई समिति का गठन किया गया है। सभा में वरिष्ठ समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हिरण्य कुमार चौधरी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया, जबकि रिंकू दासगुप्ता को साधारण सचिव (महासचिव) के पद पर निर्वाचित किया गया। नई समिति में उपाध्यक्ष पद पर अलिजा बेगम और नजरुल इस्लाम चौधरी को चुना गया है। वहीं, सहायक सचिव के रूप में राशमिना रहमान और मोहम्मद पइनुर खान को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ग्रंथालय सचिव के पद पर हिमाश्री कलिता को निर्वाचित किया गया है। इसके अलावा, कार्यकारिणी सदस्यों में मोहम्मद मोजाहिदार रहमान, तारिकुद्दीन अहमद, सैयद मुस्तफा अहमद, प्रदीप कलिता और दीपज्योति चक्रवर्ती सहित अन्य सदस्यों को शामिल किया गया है। सभा में नई समिति के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ।

केवीके में पशु स्वास्थ्य एवं सामग्री वितरण शिविर आयोजित

कोकराझाड़ (हिंस)। गोसाईगांव महकमा के तेलीपाड़ा स्थित कोकराझाड़ कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) में गुरुवार को पशु स्वास्थ्य एवं सामग्री वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अधीन राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान के पूर्वांचल अनुसंधान केंद्र, कल्याणी (पश्चिम बंगाल) और कोकराझाड़ कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का संचालन केवीके के पशुपालन विषय विशेषज्ञ डॉ. मुजाहारुल इस्लाम ने किया, जबकि केवीके की मुख्य वैज्ञानिक पूर्णा शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। शिविर का मुख्य उद्देश्य उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन के माध्यम से किसानों की आजीविका को सुदृढ़ करना तथा एकीकृत पशुपालन के जरिए जनजातीय

समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाना था। कार्यक्रम में आईसीएआर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. ए. चटर्जी, डॉ. डीके मंडल और डॉ. सी भक्त, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आसिफ मोहम्मद, मंडलीय कृषि अनुसंधान केंद्र की कनिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सयनिका दास सहित पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी डॉ. पंकज चक्रवर्ती और डॉ. टी. बसुमतारी, सहायक आयुक्त नम्रता बरुवा, एसएसबी के उप-कमांडेंट जीत सिंह तथा केवीके के वैज्ञानिक गौतम भागवती, शांतनु कौशिक बोरा और अधिकारी दीपांक सैकिया सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर करीब 280 किसानों को उन्नत नस्ल के मुर्गी एवं बत्तख के चूजे, गाय एवं सूअर के लिए पशु आहार, आवश्यक दवाइयां तथा अन्य उपयोगी सामग्री वितरित की गई। साथ ही पशुओं के स्वास्थ्य की जांच की गई और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को आवश्यक सामग्री एवं तकनीकी जानकारी भी प्रदान की गई।

रंगिया में आबकारी व खाद्य आपूर्ति विभाग की शवयात्रा निकाल आसु का जोरदार प्रदर्शन

मूल्यवृद्धि पर जताई नाराजगी

रंगिया (विभास)। अखिल असम छात्र संघ के केंद्रीय आह्वान पर रंगिया आंचलिक छात्र संघ ने खाद्य सामग्री सहित आवश्यक वस्तुओं की बेतहाशा मूल्यवृद्धि के विरोध में राज्य सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के खिलाफ अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। छात्र संघ के कार्यकर्ताओं ने विभाग की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकालकर विभाग और आपूर्ति मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रंगिया आंचलिक छात्र संघ के अध्यक्ष आमिनुल हक और साधारण सचिव अभिजीत कुमार के नेतृत्व में निकले दर्जनों प्रदर्शनकारियों ने विभाग की शवयात्रा निकालकर आपूर्ति विभाग की नाकामियों पर आक्रोश व्यक्त किया। इस दौरान छात्र कार्यकर्ताओं ने *अत्यावश्यक खाद्य सामग्री की कीमतें कम करो, आपूर्ति विभाग हाय-हाय* और *आपूर्ति मंत्री हाय-हाय* जैसे सरकार विरोधी नारों से पूरे माहौल को गर्म कर दिया। विरोध प्रदर्शन में शामिल अखिल कामरूप जिला छात्र संघ के साधारण सचिव तौफीकुर रहमान ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि अत्यधिक महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़कर रख दी है। चावल, दाल, चीनी और सरसों तेल जैसी हर एक दैनिक उपभोग की वस्तु के दाम अनियंत्रित रूप से बढ़ रहे हैं। इस वजह से आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि विभागीय आपूर्ति मंत्री मूल्यवृद्धि को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। इस प्रतिवादी कार्यक्रम में अखिल कामरूप जिला छात्र संघ के संगठनात्मक सचिव रिदुल कुमार नाथ, सदस्य सपन कलिता तथा रंगिया आंचलिक छात्र संघ के सलाहकार राजकुमार कलिता सहित कई अन्य वरिष्ठ छात्र नेता एवं सदस्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

संपादकीय

मृत नहीं, बम-बम आर्थिकी

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी आंकी गई है। हम इसे नकार नहीं सकते, क्योंकि यह भारत सरकार के 'राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय' (एनएसओ) के अर्थशास्त्रियों का निष्कर्ष है। यह विकास दर इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ईरान युद्ध का कालखंड रहा है। युद्ध के कारण तेल-गैस, उर्वरक, खाद्य और अन्य सामान के संकट दुनिया ने झेले हैं और युद्ध अब भी जारी है। सप्लाई चेन अब भी बाधित है। होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी लगभग बंद है। ईरान का डंडा चल रहा है, बेशक अमरीका कुछ भी दावे करे। युद्ध के अलावा, अल-नीनो और ट्रंपवादी टैरिफ के प्रभाव भी रहे हैं, लिहाजा भारत की वास्तविक जीडीपी की यह दर और नॉमिनल जीडीपी की 10.3 फीसदी विकास दर, यकीनन, बेहतर अर्थव्यवस्था के प्रमाण हैं। यकीनन देश प्रगति कर रहा है। जीएसटी संग्रह भी 1.99 लाख करोड़ रुपए, यकीनन, एक रिकॉर्ड है। कमोबेश भारत की अर्थव्यवस्था 'मृत' नहीं है, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उगला था। बाद में नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी ने न केवल 'मृत अर्थव्यवस्था' करार दिया, बल्कि 'आर्थिक सुनामी' की भविष्यवाणी भी की। देश ने दोनों को ही गंभीरता से नहीं लिया और अब 'विकास की सुनामी' का यथार्थ सामने है। भारत का खनन क्षेत्र 'नकारात्मक' (-2.4 फीसदी) रहा है, लेकिन कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, निर्माण, सर्विस, व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाएं, रियल एस्टेट, लोक प्रशासन आदि क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि पिछले साल की तुलना में कृषि की विकास दर ने 0.8 फीसदी का गोता खाया है, फिर भी यह 3.6 फीसदी रही है। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस क्षेत्र में बढ़ोतरी क्रमशः 10.7 और 10 फीसदी दर्ज की गई है। उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दर भी 5.2 फीसदी आंकी गई है। जीडीपी गणना की प्रक्रिया और प्रणाली पर प्रख्यात अर्थशास्त्रियों ने लगातार सवाल उठाए हैं। वे इसमें 2.5 फीसदी के 'फर्जीवाड़े' का आकलन करते रहे हैं। हम फिलहाल इस विवाद को यहीं छोड़ते हैं। जीडीपी की विकास दर को स्वीकार करते हुए कुछ जिज्ञासाएं पेश करना चाहते हैं। हम महंगाई, गरीबी, करीब 81.5 करोड़ भारतीयों को 'मुफ्त अनाज' जैसे मुद्दे भी छोड़ते हैं, क्योंकि एक वर्ग इन मुद्दों को विकास दर में घुसाना 'आर्थिक निरक्षरता' मानता है। बहरहाल सवाल और जिज्ञासा यह है कि जीडीपी के ये आंकड़े देश के शीर्ष 100 अरबपतियों की तीन गुना बढ़ी संपत्तियों की बदौलत हैं अथवा इसमें देश के कामकाजी वर्ग, श्रम-बल, निजी खपत और निवेश के भी आंकड़े शामिल हैं? यदि हमारी अर्थव्यवस्था की विकास दर लगभग यही रही है या 7 फीसदी के करीब रही है, तो देश की प्रति व्यक्ति आय 2.35 लाख-2.72 लाख रुपए के बीच क्यों है? भारत दुनिया में 144-149वें स्थान तक क्यों रहता है? जर्मनी और जापान की प्रति व्यक्ति आय क्रमशः करीब 54-55 लाख रुपए और 29-30 लाख रुपए है। दोनों देश तीसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। कोई तुलना है क्या? क्रय-शक्ति समता (पीपीपी) के आधार पर भी भारत 121-125वें स्थान पर क्यों है? भारत और जापान की जीडीपी में कोई खास अंतर नहीं है। बहरहाल 'आर्थिक असमानता' की यह खाई कब तक भरी जाएगी? अरबपतियों की दौलत तो बढ़ती रहेगी, लेकिन आम आदमी की औसत आमदनी 1 फीसदी भी क्यों नहीं बढ़ पाई है? यदि प्रधानमंत्री मोदी इन सवालों का तार्किक जवाब दे पाएंगे, तो देश भी उनकी बधाई और शुभकामनाएं स्वीकार कर लेगा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ही, 18-29 साल के आयु-वर्ग के 14.8 फीसदी युवा बेरोजगार हैं। डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त 29.4 फीसदी युवाओं के पास निश्चित, स्थिर काम नहीं है। नीट श्रेणी के 40.1 फीसदी युवा बेरोजगार हैं। क्या इनसे भयावह यथार्थ कोई और हो सकता है? बेशक सरकार दावा कर रही है कि देश की बेरोजगारी दर 5.1 फीसदी है। यदि युवा जैसी सबसे उर्वर आयु और जमात बेरोजगार है, तो कौन-सी आर्थिकी 'बम-बम' है? एक और डराने वाला आंकड़ा सामने आया है कि करीब 8 करोड़ लोग वापस कृषि की ओर चले गए हैं। वे रोजगार में हैं अथवा बेरोजगार हैं, सरकार और नीति आयोग स्पष्ट करें। बेशक शेयर बाजार में विदेशी निवेशक बढ़े हैं, बीते एक साल में करीब 30 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है, देश में 18 करोड़ ईपीएफ के नए खाते खुले हैं, लेकिन अभी यह विकास आश्वस्त करने वाला नहीं है। देश के आर्थिक विकास के लिए युवाओं को रोजगार प्रदान करना होगा। सार्वजनिक क्षेत्र में सरकारों के पास इतनी नौकरियां नहीं हैं कि सभी को सरकारी रोजगार दिया जा सके। इसलिए सरकारी क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र को भी प्रोत्साहन देना होगा, ताकि वह युवाओं को वांछित संख्या में रोजगार दे सके।

युद्ध के अलावा, अल-नीनो और ट्रंपवादी टैरिफ के प्रभाव भी रहे हैं, लिहाजा भारत की वास्तविक जीडीपी की यह दर और नॉमिनल जीडीपी की 10.3 फीसदी विकास दर, यकीनन, बेहतर अर्थव्यवस्था के प्रमाण हैं। यकीनन देश प्रगति कर रहा है। जीएसटी संग्रह भी 1.99 लाख करोड़ रुपए, यकीनन, एक रिकॉर्ड है। कमोबेश भारत की अर्थव्यवस्था 'मृत' नहीं है, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उगला था। बाद में नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी ने न केवल 'मृत अर्थव्यवस्था' करार दिया, बल्कि 'आर्थिक सुनामी' की भविष्यवाणी भी की। देश ने दोनों को ही गंभीरता से नहीं लिया और अब 'विकास की सुनामी' का यथार्थ सामने है। भारत का खनन क्षेत्र 'नकारात्मक' (-2.4 फीसदी) रहा है, लेकिन कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, निर्माण, सर्विस, व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाएं, रियल एस्टेट, लोक प्रशासन आदि क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि पिछले साल की तुलना में कृषि की विकास दर का 0.8 फीसदी का गोता खाया है, फिर भी यह 3.6 फीसदी रही है। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस क्षेत्र में बढ़ोतरी क्रमशः 10.7 और 10 फीसदी दर्ज की गई है। उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दर भी 5.2 फीसदी आंकी गई है। जीडीपी गणना की प्रक्रिया और प्रणाली पर प्रख्यात अर्थशास्त्रियों ने लगातार सवाल उठाए हैं। वे इसमें 2.5 फीसदी के 'फर्जीवाड़े' का आकलन करते रहे हैं। हम फिलहाल इस विवाद को यहीं छोड़ते हैं।

कुछ अलग

सवारी सामान की खुद जिम्मेदार

लगता है इस देश के हर कोने में अपनी गठरियों में चोर लगे हुए हैं, और हर मोड़ पर सूचना पट्टिकाएं लगी हुई हैं, कि सवारी अपने सामान की खुद जिम्मेदार है। पहले इन सवारियों की बात कर लें। ये जीर्ण शीर्ण उखड़े हुए लोग हैं जो आजादी का महोत्सव मनाने के बाद उसका शतकीय महोत्सव और अधूरे पुलों पर नारों की खुराक और वाचाल भाषणों की मुखरता से मना रहे हैं। भाषण भी ऐसे कि जो हर बरस लम्बे होते जाने का रिकार्ड बनाते जा रहे हैं, और इन्हें लिखते हुए देसी फिल्मों के टक्साली संवाद लेखक भी पशेमान हो जाते हैं। कृत्रिम मेधा अपने आप को असमर्थ पाती है, क्योंकि उसे तो इस विषय पर दुनिया भर के दिए गए सब भाषणों को काट-पीट कर नया भाषण बनाना है, लेकिन जब हर बार संवादों को दुहराने का अंदाज हो तो कृत्रिम मेधा नया भाषण कहां से लाए? उनका भाषण देने का अंदाज भी इतना प्रभावशाली होता है कि लोग आजकल दंगल देखने नहीं जाते।

जन्माष्टमी (4 सितंबर) पर विशेष

ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत संगम है श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण के बिना भारतीय जीवन-दर्शन की कल्पना अधूरी है। जीवन के लगभग प्रत्येक आयाम-परिवार, समाज, राजनीति, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति, प्रेम, मित्रता, कर्तव्य, त्याग, नेतृत्व और आध्यात्मिकता में श्रीकृष्ण के विचारों और आदर्शों की छाप दिखाई देती है। इसीलिए जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारने का अवसर है। श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्भुत एवं विलक्षण महानायक हैं, जिनके व्यक्तित्व में विरोधाभास दिखाई देने वाले अनेक गुण एक साथ समाहित हो जाते हैं। वे द्वारका के शासक हैं, लेकिन उन्हें सामान्यत: 'राजा श्रीकृष्ण' नहीं कहा जाता। वे ब्रजनंदन हैं, नंदलाल हैं, कन्हैया हैं, माखनचोर हैं, गोपियों के चितचोर हैं और रासरचैया हैं। यही उनकी महानता है कि सत्ता के शिखर पर पहुंचकर भी वे जनमानस से कभी दूर नहीं हुए। उनका नेतृत्व राजमहलों तक सीमित नहीं था, वह गांवों की गलियों, ग्वाल-बालों, किसानों, पशुपालकों और सामान्य जन के हृदय तक पहुंचता था।

भगवान श्रीकृष्ण भारत की माटी, भारत की आत्मा और भारत के जनजीवन की धड़कन हैं। वे केवल आराधना के देवता नहीं, बल्कि जीवन को देखने की एक दृष्टि, संघर्षों से जूझने की प्रेरणा और भविष्य की ओर बढ़ने की दिशा हैं। वे ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत एवं निराला संगम हैं। श्रीकृष्ण के बिना भारतीय जीवन-दर्शन की कल्पना अधूरी है। जीवन के लगभग प्रत्येक आयाम-परिवार, समाज, राजनीति, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति, प्रेम, मित्रता, कर्तव्य, त्याग, नेतृत्व और आध्यात्मिकता में श्रीकृष्ण के विचारों और आदर्शों की छाप दिखाई देती है। इसीलिए जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारने का अवसर है। श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्भुत एवं विलक्षण महानायक हैं, जिनके व्यक्तित्व में विरोधाभास दिखाई देने वाले अनेक गुण एक साथ समाहित हो जाते हैं। वे द्वारका के शासक हैं, लेकिन उन्हें सामान्यतः 'राजा श्रीकृष्ण' नहीं कहा जाता। वे ब्रजनंदन हैं, नंदलाल हैं, कन्हैया हैं, माखनचोर हैं, गोपियों के चितचोर हैं और रासरचैया हैं। यही उनकी महानता है कि सत्ता के शिखर पर पहुंचकर भी वे जनमानस से कभी दूर नहीं हुए। उनका नेतृत्व राजमहलों तक सीमित नहीं था, वह गांवों की गलियों, ग्वाल-बालों, किसानों, पशुपालकों और सामान्य जन के हृदय तक पहुंचता था। श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि श्रेष्ठ नेतृत्व केवल अधिकार प्राप्त करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की कला है। उन्होंने सत्ता को कभी व्यक्तिगत सुख का साधन नहीं बनाया। समाज और राष्ट्र की व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी और धर्म उनकी आत्मनिष्ठा। इसीलिए उन्होंने परिस्थितियों से पलायन नहीं किया। जहां प्रेम की आवश्यकता थी वहां प्रेम दिया, जहां मित्रता की आवश्यकता थी वहां मित्र बने, जहां संवाद जरूरी था वहां संवाद किया और जहां अधर्म का प्रतिकार आवश्यक हुआ वहां अत्यंत कठोर होकर सामने आए। यही संतुलन कुशल नेतृत्व की सबसे बड़ी पहचान है। आज प्रबंधन की दुनिया में निर्णय क्षमता, समय-प्रबंधन, संकट-प्रबंधन, नेतृत्व,

संवाद-कौशल, मनोविज्ञान और रणनीति को सफलता की अनिवार्य शर्त माना जाता है। इन सभी क्षेत्रों में श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण उदाहरण प्रस्तुत करता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन जब मोह और मानसिक द्वंद्व से घिरकर अपने कर्तव्य से विमुख होने लगे, तब श्रीकृष्ण ने उन्हें केवल युद्ध के लिए प्रेरित नहीं किया, बल्कि जीवन का विराट दर्शन दिया। उन्होंने अर्जुन को कर्म का मर्म समझाया-मनुष्य का अधिकार कर्म पर है, परिणाम पर नहीं। यह संदेश आज भी हर विद्यार्थी, कर्मचारी, उद्यमी, प्रशासक, राजनीतिज्ञ और सामान्य व्यक्ति के लिए उतना ही उपयोगी है। हमारी सबसे बड़ी कमजोरी अक्सर कर्म से अधिक परिणाम की चिंता होती है। परिणाम की चिंता मन को भय, तनाव और असमंजस से भर देती है। श्रीकृष्ण का कर्मयोग इस मानसिक बोझ से मुक्ति का मार्ग देता है। अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा, क्षमता और ईमानदारी से करना और परिणाम को व्यापक व्यवस्था पर छोड़ देना-यह जीवन-प्रबंधन का ऐसा सूत्र है जिसकी उपयोगिता कभी समाप्त नहीं हो सकती। श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक थी-स्थिर बुद्धि। शिशुपाल ने राजसूय यज्ञ की सभा में उन्हें लगातार अपमानित किया, फिर भी वे शांत रहे। दुर्योधन के दरबार में शांति-दूत बनकर गए और वहां भी उनका अपमान हुआ, लेकिन वे विचलित नहीं हुए। इससे हमें सीख मिलती है कि उत्तेजना में लिया गया निर्णय प्रायः समस्या बढ़ाता है, जबकि शांत मन समाधान का रास्ता खोलता है। आधुनिक परिवारों से लेकर संसद, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक, यह प्रबंधन-सूत्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है। श्रीकृष्ण केवल युद्धनीति के ज्ञाता नहीं थे, वे शांति के भी सबसे बड़े समर्थक थे। महाभारत का युद्ध उनकी पहली पसंद नहीं था। उन्होंने युद्ध रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। जब संवाद और न्याय की संभावनाएं समाप्त हो गईं, तभी धर्म की रक्षा के लिए युद्ध का मार्ग स्वीकार किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि शक्ति का अर्थ हिंसा नहीं, बल्कि न्याय की रक्षा करने की क्षमता है। सच्ची शांति वही है जिसके पीछे न्याय और आत्मबल की शक्ति हो। श्रीकृष्ण का सामाजिक दृष्टिकोण भी अत्यंत व्यापक था। उन्होंने ग्रामीण जीवन, गौ-संस्कृति, प्रकृति और सामुदायिक जीवन को सम्मान दिया। गोवर्धन प्रसंग हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामुदायिक एकता का संदेश देता है। माखन और दूध-दही के प्रसंगों को केवल बाल-क्रीड़ा के रूप में देखने के बजाय उनमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय संसाधनों की रक्षा का संदेश भी देखा जा सकता है। श्रीकृष्ण का लोकजीवन से जुड़ाव बताता है कि कोई भी राष्ट्र तभी मजबूत बन सकता है जब उसकी विकास-यात्रा गांवों, किसानों, श्रमिकों और सामान्य नागरिकों को साथ लेकर चले। उनका व्यक्तित्व एक अद्भुत समन्वय है। वे अर्जुन के सारथी हैं और साथ ही विश्वरूप के दर्शन कराने वाले योगेश्वर। वे सुदामा के मित्र हैं और अत्याचारियों के लिए सुदर्शन चक्रधारी। वे बांसुरी की मधुरता हैं तो धर्मरक्षा के लिए आवश्यक कठोरता भी। वे प्रेम हैं, करुणा हैं, नीति हैं, रणनीति हैं, त्याग हैं और कर्म हैं। इसीलिए श्रीकृष्ण को किसी एक सीमा में बांधना उनके विराट व्यक्तित्व को छोटा करना होगा। श्रीकृष्ण का एक महत्वपूर्ण संदेश है कि व्यक्ति को अपनी क्षमताओं का बहुआयामी विकास करना चाहिए। परंपरा में उनके द्वारा चौंसठ कलाओं के ज्ञान का उल्लेख मिलता है। इसका व्यापक संदेश यह है कि शिक्षा केवल रोजगार पाने का साधन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व को पूर्ण बनाने की प्रक्रिया है। आज के समय में जब शिक्षा को केवल अंक, नौकरी और प्रतियोगिता तक सीमित करने का खतरा है, श्रीकृष्ण का जीवन हमें ज्ञान, कला, कौशल, सृजनशीलता और चरित्र के समन्वय की प्रेरणा देता है। श्रीकृष्ण की राजनीति सत्ता प्राप्ति की राजनीति नहीं, बल्कि लोककल्याण और धर्मस्थापना की राजनीति थी। उनके जीवन में हमें यह सूत्र मिलता है कि सत्ता पर नैतिकता का अंकुश होना चाहिए और शक्ति का उपयोग जनहित के लिए होना चाहिए। आज भारत विकसित भारत के 2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। आर्थिक शक्ति, विज्ञान, तकनीक, रक्षा, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक समरसता-हर क्षेत्र में भारत नई संभावनाओं की ओर बढ़ रहा है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण का दर्शन हमें बताता है कि विकास केवल भौतिक समृद्धि का नाम नहीं है। विकास तब सार्थक होगा जब उसमें चरित्र होगा, कर्तव्य होगा, करुणा होगी, न्याय होगा और अंतिम व्यक्ति के जीवन में भी आशा का प्रकाश पहुंचेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण की जो व्यापक यात्रा चल रही है, उसमें श्रीकृष्ण के कर्म, कर्तव्य, रणनीति, राष्ट्रहित और लोककल्याण के आदर्शों से प्रेरणा लेने की बड़ी संभावनाएं हैं। अंतरराष्ट्रीय जीवन में भी श्रीकृष्ण का संदेश महत्वपूर्ण है।

देश दुनीया से

तकनीक बदली, गुरु की भूमिका नहीं

भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य कभी केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं रहा। गुरु-शिष्य परंपरा में ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन, आत्मसंयम, सेवा, कर्तव्य और विवेक को महत्व दिया जाता था। महर्षि संदीपनि और श्रीकृष्ण, द्रोणाचार्य और अर्जुन, चाणक्य और चंद्रगुप्त तथा रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जैसे उदाहरण बताते हैं कि गुरु केवल विषय का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण करने वाला मार्गदर्शक होता है। कबीर ने गुरु की इसी भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा था- 'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पांय।' यह सच है कि आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। मोबाइल, इंटरनेट, ऑनलाइन कक्षाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने ज्ञान तक पहुंच को अभूतपूर्व रूप से आसान बना दिया है। कुछ सेकंड में किसी विषय की जानकारी हासिल की जा सकती है। स्वयम (एसडब्लूएवाईएएम) और दीक्षा (डीआईकेएसएचए) जैसे डिजिटल मंचों ने शिक्षा को कक्षा और स्थान की सीमाओं से बाहर निकाला है। अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और अपार (एपीएआर) जैसी व्यवस्थाएं उच्च शिक्षा को अधिक लचीला बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। यह तकनीकी परिवर्तन स्वागतयोग्य है, लेकिन इसके बीच हमें एक बुनियादी अंतर समझना होगा- जानकारी और ज्ञान एक ही चीज नहीं हैं। इंटरनेट जानकारी दे सकता है, लेकिन यह नहीं सिखा सकता कि कौनसी जानकारी सही है और कौनसी भ्रामक। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्तर तैयार कर सकती है, लेकिन यह तय नहीं कर सकती कि विद्यार्थी उस उत्तर का नैतिक और व्यावहारिक उपयोग कैसे करे। कोई डिजिटल प्लेटफॉर्म परीक्षा की तैयारी करा सकता है, लेकिन असफलता के बाद फिर खड़े होने का आत्मविश्वास नहीं दे सकता। मशीन विद्यार्थी की गलती बता सकती है, पर उसके पीछे छिपे डर, संकोच या आत्मविश्वास की कमी को समझने के लिए मानवीय संवेदना चाहिए। यही वह क्षेत्र है जहां शिक्षक की भूमिका तकनीक से ऊपर दिखाई देती है। विडंबना यह है कि शिक्षा का विस्तार जितना हुआ है, सीखने की गुणवत्ता की चुनौती उतनी ही गंभीर बनी हुई है। उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ना अच्छी बात है, लेकिन डिग्री और रोजगार के बीच संबंध कमजोर रहा तो यह उपलब्धि अधूरी रह जाएगी। नई अर्थव्यवस्था को केवल डिग्रीधारी युवा नहीं, बल्कि ऐसे युवा चाहिए जो समस्या का समाधान कर सकें, तकनीक को समझ सकें, संवाद कर सकें, नए कौशल सीख सकें और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें। इसलिए विद्यालय से लेकर विश्वविद्यालय तक व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और उद्योग की जरूरतों को शिक्षा से जोडना समय की मांग है। तकनीक के दौर में शिक्षक को भी बदलना होगा। यदि शिक्षक डिजिटल साधनों और एआई से दूरी बनाए रखेगा तो वह नई पीढ़ी से संवाद में पीछे रह सकता है। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि एआई शिक्षक का स्थान ले ले। सही रास्ता दोनों के संतुलन में है। सोशल मीडिया की लगातार बढ़ती मौजूदगी, त्वरित सफलता की चाह, उपभोक्तावाद और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने बच्चों और युवाओं के सामने नई मनोवैज्ञानिक और सामाजिक चुनौतियां खड़ी की हैं। ऐसे समय में शिक्षा यदि केवल अंक, रैंक और नौकरी तक सीमित रह गई तो समाज को कुशल पेशेवर तो मिल सकते हैं, लेकिन जिम्मेदार नागरिकों की कमी बनी रह सकती है। सत्य, ईमानदारी, अनुशासन, सहिष्णुता, संवेदनशीलता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी जैसे मूल्य शिक्षा के मूल में होने चाहिए। शिक्षक का आचरण भी विद्यार्थियों के लिए किसी पाठ्यपुस्तक से कम प्रभावशाली नहीं होता। जिस शिक्षक में समय की पाबंदी, अनुशासन, ईमानदारी, संवेदना और सीखने की निरंतर इच्छा होगी, वह बिना किसी अलग नैतिक शिक्षा के भी विद्यार्थियों को बहुत कुछ सिखा देगा। शिक्षा पर पर्याप्त निवेश भी इस परिवर्तन की बुनियादी आवश्यकता है। अच्छे विद्यालय केवल भवन से नहीं बनते। पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल मैदान, इंटरनेट और डिजिटल उपकरण आवश्यक हैं, लेकिन उनसे अधिक आवश्यक है ऐसा शैक्षिक वातावरण जहां शिक्षक को सम्मान मिले और विद्यार्थी बिना भय के प्रश्न पूछ सके। परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन शिक्षा का अंतिम लक्ष्य केवल अंक प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। विद्यार्थी में जिज्ञासा, रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करना अधिक महत्वपूर्ण है। यहां गुरु की भूमिका निर्णायक है। तकनीक विद्यार्थी को दुनिया से जोड़ सकती है, लेकिन शिक्षक उसे अपने समाज और जिम्मेदारियों से जोड़ता है। तकनीक उसे सूचना दे सकती है, लेकिन गुरु उस सूचना को ज्ञान और ज्ञान को जीवन-दृष्टि में बदलने में सहायता करता है। आजादी के बाद भारत ने शिक्षा की पहुंच और विस्तार में असाधारण प्रगति की है। अब अगली मंजिल अधिक विद्यालय या अधिक डिग्रियां भर नहीं, बल्कि बेहतर सीखने, बेहतर कौशल और बेहतर चरित्र का निर्माण है। भारत को ऐसी शिक्षा चाहिए जो प्रयोगशाला में वैज्ञानिक, खेत में तकनीक समझने वाला किसान, उद्योग में कुशल युवा, समाज में संवेदनशील नागरिक और राष्ट्र के लिए जिम्मेदार मनुष्य तैयार करे। इसलिए तकनीक का स्वागत पूरी शक्ति से होना चाहिए, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उसके सामने छोटा करके नहीं। भविष्य की शिक्षा में स्मार्ट कक्षा हो सकती है, डिजिटल पुस्तकालय हो सकता है, एआई सहायक हो सकता है, लेकिन विद्यार्थी के व्यक्तित्व को समझने वाला, उसकी क्षमता को पहचानने वाला और असफलता के समय उसका हाथ थामने वाला गुरु फिर भी आवश्यक रहेगा। तकनीक उत्तर खोज सकती है, गुरु सही प्रश्न करना सिखाता है। तकनीक ज्ञान तक पहुंच बना सकती है, गुरु उस ज्ञान को विवेक में बदलता है।

आप का नजरीया

ये दुनिया उसी की, जमाना उसी का

हम सब जीवन में कुछ न कुछ पाने की दौड़ में लगे हैं। कोई धन चाहता है, कोई पद, कोई प्रतिष्ठा, कोई सुरक्षा, तो कोई अमर होने जैसा नाम। लेकिन इस दौड़ में एक विचित्र विडंबना यह है कि हम में से अधिकांश लोग जीने की तैयारी करते-करते पूरा जीवन बिता देते हैं। हम घर बना लेते हैं, पर उसमें रहने का समय नहीं निकाल पाते। हम साधन जुटा लेते हैं, पर उनका आनंद नहीं ले पाते। हम भविष्य को सुरक्षित करने में इतने व्यस्त रहते हैं कि वर्तमान हमारी मु_ी में से रेत की तरह फिसल जाता है। शायद इसी कारण संसार में सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन संतुष्टि नहीं। प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास धन कितना, सोना कितना है, भवन कितने हैं, नौकर-चाकर कितने हैं, सुविधाएं कितनी हैं, प्रश्न यह है कि हम जो जीवन जी रहे हैं, इस जीवन में जो कुछ भी कर रहे हैं, उसे कितनी गहराई से जी पा रहे हैं। सच तो यह है कि संसार उस व्यक्ति का नहीं जिसके पास सबसे अधिक है, बल्कि उसका है जो जीवन का सबसे अधिक रस ले पाता है। इसीलिए यह आवश्यक है कि हम 'आनंद' शब्द का असली मतलब समझें। आनंद का अर्थ उच्छृंखल मनोरंजन या क्षणिक मौज-मस्ती नहीं है। आनंद का अर्थ है, वर्तमान क्षण के साथ पूरी सजगता से उपस्थित होना। एक कप चाय को केवल पीना नहीं, उसका स्वाद महसूस करना। वर्षा को केवल मौसम न मानना, बल्कि उसकी बूंदों की धुन सुनना। परिवार के साथ बैठना केवल औपचारिकता न हो, बल्कि आत्मीयता का उत्सव बने। जीवन का आनंद उन्हीं को मिलता है जो अनुभवों को जीते हैं, केवल घटनाओं को घटित नहीं होने देते। जीवन से संघर्ष करने वाला व्यक्ति थक जाता है, जीवन के साथ सहयोग करने वाला व्यक्ति खिल उठता है। सवाल यह है कि बेशुमार धन, सारी सुविधाओं और सारे सुखों के बावजूद अक्सर हम आनंद से वंचित क्यों रह जाते हैं? इसका उत्तर बाहर नहीं, हमारे मन की संरचना में छिपा है। हम तुलना करते हैं, प्रतिस्पर्धा में उलझते हैं, ईर्ष्या पालते हैं, भविष्य की चिंता करते हैं, अतीत का बोझ ढोते हैं और अपने निर्णय भी अक्सर इस आधार पर लेते हैं कि 'लोग क्या कहेंगे?' परिणाम यह होता है कि हमारा ध्यान जीवन पर नहीं, दूसरों के जीवन पर अधिक रहने लगता है। जिस क्षण तुलना शुरू होती है, उसी क्षण आनंद समाप्त हो जाता है, क्योंकि तुलना हमें हमारी कमी दिखाती है, जबकि आनंद हमें हमारे पास जो है, उसकी समृद्धि का अनुभव कराता है। आधुनिक मनोविज्ञान और न्यूरोसाइंस भी अब इसी दिशा में संकेत कर रहे हैं। जब हमें कोई उपलब्धि मिलती है, तो मस्तिष्क में डोपामीन सक्रिय होता है। यह उत्साह देता है, लेकिन थोड़े समय के लिए। इसलिए अगली उपलब्धि की भूख जल्दी ही पैदा हो जाती है। इसके विपरीत सेरोटोनिन संतोष, आत्मविश्वास और मानसिक स्थिरता से जुड़ा है। यही कारण है कि उपलब्धियों से अधिक अर्थपूर्ण जीवन और स्वस्थ संबंध व्यक्ति को दीर्घकालिक प्रसन्नता देते हैं। सकारात्मक मनोविज्ञान के अग्रणी विद्वान मार्टिन सेलिगमैन ने भी अपने शोधों में दिखाया कि खुशी केवल सुखद अनुभवों से नहीं, बल्कि उद्देश्य, संबंध, उपलब्धि और अर्थपूर्ण जीवन से बनती है। सकारात्मक मनोविज्ञान के प्रमुख स्तंभों में गिने जाने वाले विश्व प्रसिद्ध हंगेरियन-अमेरिकी मनोवैज्ञानिक मिहाई चिक्सेंटमिहाई ने 'फ्लो स्टेट' का सिद्धांत दिया, जिसमें व्यक्ति किसी सार्थक कार्य में इतना डूब जाता है कि समय का बोध भी कम हो जाता है। यही अवस्था आनंद के सबसे प्रामाणिक अनुभवों में से एक मानी जाती है। आज न्यूरोसाइंस यह भी प्रमाणित कर चुका है कि कृतज्ञता का नियमित अभ्यास मस्तिष्क के न्यूरल नेटवर्क को सकारात्मक दिशा में बदल सकता है। इसका अर्थ यह है कि धन्यवाद कहना केवल संस्कार नहीं, मस्तिष्क के लिए भी एक स्वस्थ अभ्यास है। आइये, अब हम खुद से ही पूछते हैं कि दुनिया वास्तव में किसकी है? क्या केवल सबसे अमीर व्यक्ति की? क्या सबसे शक्तिशाली की? क्या सबसे प्रसिद्ध की? यदि ऐसा होता, तो संसार के सभी धनवान सबसे अधिक प्रसन्न होते। वास्तविकता इसके विपरीत है।

प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास धन कितना, सोना कितना है, भवन कितने हैं, नौकर-चाकर कितने हैं, सुविधाएं कितनी हैं, प्रश्न यह है कि हम जो जीवन जी रहे हैं, इस जीवन में जो कुछ भी कर रहे हैं, उसे कितनी गहराई से जी पा रहे हैं। सच तो यह है कि संसार उस व्यक्ति का नहीं जिसके पास सबसे अधिक है, बल्कि उसका है जो जीवन का सबसे अधिक रस ले पाता है। इसीलिए यह आवश्यक है कि हम 'आनंद' शब्द का असली मतलब समझें। आनंद का अर्थ उच्छृंखल मनोरंजन या क्षणिक मौज-मस्ती नहीं है। आनंद का अर्थ है, वर्तमान क्षण के साथ पूरी सजगता से उपस्थित होना। एक कप चाय को केवल पीना नहीं, उसका स्वाद महसूस करना। वर्षा को केवल मौसम न मानना, बल्कि उसकी बूंदों की धुन सुनना। परिवार के साथ बैठना केवल औपचारिकता न हो, बल्कि आत्मीयता का उत्सव बने। जीवन का आनंद उन्हीं को मिलता है जो अनुभवों को जीते हैं, केवल घटनाओं को घटित नहीं होने देते। जीवन से संघर्ष करने वाला व्यक्ति थक जाता है, जीवन के साथ सहयोग करने वाला व्यक्ति खिल उठता है। सवाल यह है कि बेशुमार धन, सारी सुविधाओं और सारे सुखों के बावजूद अक्सर हम आनंद से वंचित क्यों रह जाते हैं? इसका उत्तर बाहर नहीं, हमारे मन की संरचना में छिपा है।

दृष्टि कोण

सिंधु जल विवाद केस जीतकर भी दुखी पाक

नीदरलैंड के हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय (परमानेंट कोर्ट ऑफ़ आर्बिट्रेशन) द्वारा सिंधु जल विवाद के एकतरफा फैसले पर पाकिस्तान बल्ले-बल्ले, शाबाश-शाबाश करने लगा है। हेग स्थित 'पीसीए' ने सोमवार को फैसला सुनाया है कि भारत एकतरफा तरीके से सिंधु जल संधि को सस्पेंड नहीं कर सकता। कोर्ट ने नई दिल्ली की उन सभी दलीलों को खारिज कर दिया है, जिनका इस्तेमाल उसने छह दशक पुराने जल-बंटवारे के समझौते को अप्रैल, 2025 से 'स्थगित' रखने को सही ठहराने के लिए किया था। सोमवार को सुनाए गए सर्वसम्मत फैसले में पांच सदस्यीय कोर्ट ने पाया कि संधि 'पूरी तरह से लागू है' और भारत को इसके तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन करना होगा। इसमें पाकिस्तान की ओर बहने वाली नदियों पर पनबिजली परियोजनाओं के डिजाइन और संचालन से जुड़ी जिम्मेदारियां भी शामिल हैं। पहलगाम हमला 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के बैसारन घास के मैदानों में हुआ था, जिसमें पाक-पोषित बंदूकधारियों ने बर्बरता से 26 लोगों की जान ले ली थी। बंदूकधारियों ने गोली दागने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा था। इस नरसंहार के बाद, भारत ने कहा था कि वह संधि को तब तक सस्पेंड रखेगा, जब तक पाकिस्तान सीमा-पार आतंकवाद को 'विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय' रूप से खत्म नहीं कर देता। इस्लामाबाद इन आरोपों से इनकार करता है कि वह हमले के पीछे था। लेकिन माजी में दी उसकी धमकियों से कोई मानने को तैयार नहीं कि पहलगाम कांड में उसका हाथ नहीं रहा है। बहरहाल, पाकिस्तान द्वारा

हेग में लाए गए सिंधु जल संधि मामले में भारत ने परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) के अधिकार क्षेत्र को मानने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान में जलविद्युत परियोजनाएं बनवाने वाला चीन इस पूरे मामले में चुप्पी साधे हुए है। माजी में चीन ने भी परमानेंट कोर्ट ऑफ़ आर्बिट्रेशन के एक ऐतिहासिक फैसले को खारिज कर दिया था, जो दक्षिण चीन सागर के विवाद पर फिलीपींस के पक्ष में आया था। ऐसा नहीं कि नीदरलैंड के हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय में भारत ने कोई केस लड़ा ही नहीं। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत अब तक 30 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मामलों का हिस्सा रहा है। मगर सवाल है, परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने यदि पाकिस्तान के पक्ष में फैसला सुना भी दिया, तो उसे लागू कैसे करवाएगा? भारत ने कुछ ही घंटों में इस फैसले को खारिज कर दिया था। यह दिलचस्प है कि 1 सितंबर, 2026 को किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित 26वें शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ एक ही मंच पर मौजूद रहे, लेकिन दोनों में न बात हुई, न इस विषय पर कोई चर्चा। हालांकि, इस्लामाबाद में रहने वाले हाइड्रोलॉजी और जल संसाधन विशेषज्ञ हसन अब्बास इस बात से सहमत नहीं थे कि समझौते के टूटने से फिलहाल पाकिस्तान के लिए कोई तत्काल खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अभी कोई बड़ा खतरा है। पश्चिमी नदियां भौगोलिक स्थिति की वजह से सुरक्षित हैं, न कि मुख्य रूप से संधि की वजह से।' हसन अब्बास ने बताया कि चिनाब नदी पर भारत की स्टोरेज क्षमता लगभग 1 मिलियन एकड़-फीट (405,000 हेक्टेयर-फीट) है, जो पाकिस्तान की मौसमी सिंचाई की जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है। उन्होंने कहा, 'अगर वे कहते हैं कि वे पानी नहीं बहने देंगे, तो वे खुद ही बाढ़ की चपेट में आ जाएंगे, क्योंकि भारत के बांध रन-ऑफ-रिवर हाइड्रोपावर प्लांट हैं, जिनमें पानी जमा करने की जगह बहुत कम होती है।'

निकाय चुनाव से पहले भाजपा का बड़ा सियासी दांव, अलवर में प्रभारी ने जारी किया संकल्प पत्र

अलवर (हिंस)। राजस्थान में निकाय चुनाव का सियासी घमासान तेज होने के साथ ही भाजपा ने अपना चुनावी एजेंडा जनता के सामने रख दिया है। गुरुवार को अलवर पहुंचे भाजपा के राजस्थान प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने भाजपा जिला कार्यालय में निकाय चुनाव का संकल्प पत्र जारी किया। इस दौरान उन्होंने शहरी क्षेत्रों के विकास, आधारभूत सुविधाओं, रोजगार, स्वच्छता, यातायात और पर्यावरण से जुड़े कई बड़े संकल्पों की जानकारी दी। संकल्प पत्र जारी करते हुए अग्रवाल ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में शहरों को आधुनिक, सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने कहा कि शहरी विकास में वार्ड को आधार बनाकर काम किया जाएगा और निकाय क्षेत्रों की स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास योजनाएं लागू की जाएंगी। भाजपा प्रदेश प्रभारी ने बताया कि अगले पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र के अलग-अलग आय वर्गों के लोगों के लिए एक लाख आवासीय प्लॉट उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं आगामी पांच वर्षों में 7 लाख से अधिक घरों में रसोई गैस के पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया है। महिलाओं की सुविधा के लिए शहरी क्षेत्रों में 2 हजार पिंक टॉयलेट बनाए जाने की बात भी संकल्प पत्र में कही गई है। वहीं नए और बाहरी रिहायशी क्षेत्रों सहित निकाय क्षेत्रों में करीब 15 लाख स्ट्रीट लाइट लगाने का लक्ष्य रखा गया है। भाजपा के संकल्प पत्र में शहरी स्वच्छता को भी प्रमुखता दी गई है। अग्रवाल ने बताया कि सभी डंपिंग साइट पर वर्षों से जमा पुराने कचरे का 100 प्रतिशत वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करने की दिशा में काम किया जाएगा। घर-घर कचरा संग्रहण करने वाले वाहनों में व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम लगाने का भी प्रावधान रखा गया है। सफाई व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए रोबोटिक 3-इन-1 सफाई मशीनों और डिजिटल उपकरणों का उपयोग किए जाने की बात कही गई। वहीं निजी सहभागिता से सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट और वेस्ट वाटर मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करने का संकल्प लिया गया है। अग्रवाल ने बताया कि अगले पांच वर्षों में करीब 3 हजार किलोमीटर पुरानी सीवर लाइन की मरम्मत और बदलाव की कार्रवाई की जाएगी। खराब सड़कों और सीवर लाइनों की जांच के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा और जरूरत के अनुसार ट्रेंचलेस तकनीक से सड़क खोदे बिना सीवर लाइन बदलने की दिशा में काम होगा। शहरों में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने के लिए पार्किंग स्थल, मल्टीस्टोरी पार्किंग, अंडरपास, ब्रिज और रिंग रोड जैसी व्यवस्थाओं पर काम करने की बात कही गई। प्रमुख मार्गों और चौराहों के सौंदर्यीकरण के साथ ट्रैफिक लाइट व्यवस्था को बेहतर बनाने का भी संकल्प रखा गया है। संकल्प पत्र में शहरी सुरक्षा को लेकर भी कई प्रावधान बताए गए। प्रत्येक निकाय में अपराध नियंत्रण और निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था मजबूत करने तथा अभय कमांड सेंटर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक से जोड़ने की दिशा में काम करने की बात कही गई। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में हाईटेंशन बिजली लाइनों को चरणबद्ध तरीके से भूमिगत करने का भी संकल्प लिया गया है। भाजपा ने युवाओं को लेकर भी कई घोषणाएं संकल्प पत्र में शामिल की हैं। आवश्यकता के अनुसार ई-लाइब्रेरी स्थापित करने और समय-समय पर रोजगार मेलों का आयोजन करने की बात कही गई। युवाओं को नगर प्रशासन से जोड़ने के लिए इंटर्नशिप व्यवस्था लागू करने का भी प्रस्ताव रखा गया है। शहरी क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण सुधार के लिए नगरवन और *लव-कुश* वाटिका विकसित करने की बात कही गई है। प्रमुख पार्कों में मॉर्निंग वॉक ट्रैक, ओपन जिम और आवश्यकता के अनुसार योग प्रशिक्षक की व्यवस्था का संकल्प भी रखा गया है। पानी की समस्या वाले क्षेत्रों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने, ग्रीन बेल्ट विकसित करने और जनभागीदारी से वृक्षारोपण को बढ़ावा देने की बात कही गई। अग्रवाल ने कहा कि सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन के लिए नगर निगम क्षेत्रों में ई-बस सेवा शुरू करने की दिशा में काम किया जाएगा। महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने की बात कही गई। इसके अलावा नगर निगम और परिषद मुख्यालयों पर इनडोर स्टेडियम, फूड कोर्ट और वरिष्ठ नागरिक सेवा केंद्र विकसित करने का भी संकल्प पत्र में उल्लेख है। जिन नगर निगमों की सीमाओं का विस्तार हुआ है, वहां प्राथमिकता के आधार पर आधारभूत सुविधाएं विकसित करने की बात कही गई। निगम सीमा में शामिल नए गांवों में सीवरेज, पेयजल, सफाई, कचरा संग्रहण एवं निस्तारण, सड़क, रोड लाइट और बिजली जैसी सुविधाएं विकसित करने का संकल्प लिया गया है। साथ ही प्रभावित निकाय क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुधारने और 24 घंटे विद्युत आपूर्ति के लिए आवश्यक प्रयास करने की बात भी कही गई। भाजपा के संकल्प पत्र में शहरों की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को भी स्थान दिया गया है। विभिन्न निकायों में स्थित हवेलियों और हेरिटेज स्थलों के संरक्षण के साथ प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तथा मोक्षधामों के विकास की बात कही गई है। पर्वतीय, झील और आदिवासी क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुसार विकास कार्य कराने का भी संकल्प लिया गया। संकल्प पत्र विमोचन के दौरान पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, दिनेश गुप्ता, ऋषि राज शर्मा, पंडित दीपक शर्मा, नरेश गोयल, केजी खडेलवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। निकाय चुनाव से ठीक पहले भाजपा की ओर से जारी किए गए इस संकल्प पत्र को शहरी मतदाताओं को साधने की पार्टी की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। अब भाजपा इन संकल्पों को चुनावी मैदान में जनता के बीच लेकर जाएगी।

सनातनी परंपरा और सेना का अपमान करना कांग्रेस की आदत : राकेश त्रिपाठी

लखनऊ (हिंस)। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी के हालिया बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि सनातन धर्म और भारतीय सेना का अपमान करना कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। उन्होंने कांग्रेस को *बाबरी की पैरोकार* बताते हुए कहा कि देश की जनता आगामी चुनावों में इन बयानों का करारा जवाब देगी। भाजपा प्रवक्ता ने गुरुवार को कांग्रेस के पुराने बयानों का हवाला देते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह वही कांग्रेस है जिसके नेता सेनाध्यक्ष को *गुंडा* तक बता चुके हैं और पाकिस्तान के खिलाफ की गई सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगकर देश की सेना के शौर्य पर सवाल उठा चुके हैं।राकेश त्रिपाठी ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संदर्भ में भी कांग्रेस की नीयत पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब एक पूर्व एयर मार्शल को राम जन्मभूमि ट्रस्ट का सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) बनाया गया तो कांग्रेस ने उस पर भी राजनीतिक सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा से राम मंदिर निर्माण और सनातन संस्कृति के खिलाफ खड़ी रही है और उसकी पैरवी हमेशा बाबरी के पक्ष में दिखती है।राकेश त्रिपाठी ने कहा कि देश की जनता कांग्रेस की इस विभाजनकारी और राष्ट्रविरोधी मानसिकता को बारीकी से देख रही है। आने वाले चुनावों में मतदाता कांग्रेस के इन सभी सवालों और अपमानजनक बयानों का जवाब अपने वोटों के माध्यम से देंगे।

राजपूत करणी सेना का बीजेपी कांग्रेस को हराने का एलान

जोधपुर (हिंस)। यूजीसी के नए प्रावधान को लेकर स्वर्ण वर्ग का विरोध थम नहीं रहा है। यूजीसी के नए प्रावधान के विरोध में राजपूत करणी सेना ने जोधपुर में रैली निकाली और निकाय चुनाव भाजपा और कांग्रेस दोनों को हराने का ऐलान किया। श्री राजपूत करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को रैली निकाल कर प्रदर्शन किया और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। संभागीय प्रभारी और प्रदेश सचिव मानसिंह मेड़तिया ने कहा कि केंद्र ने यूजीसी के काले कानून को जबरन थोपा है। इसे केंद्र सरकार को वापस लेना ही होगा। जब तक केंद्र सरकार यूजीसी रोल बैक नहीं करेंगी। सवर्ण समाज चैन से नहीं बैठेगा। मेड़तिया ने कहा कि भाजपा यह कानून लेकर आई थी, लेकिन कांग्रेस भी इस कानून का विरोध नहीं कर रही, इसलिए सवर्ण समाज नगर निगम चुनाव में भाजपा और कांग्रेस को हराएंगे। उन्होंने कहा कि हम निर्दलीय और ऐसे प्रत्याशियों का समर्थन करेंगे जो दोनों पार्टियों को हरा सकें। करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने भगवा झंडों के साथ प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया।

हरियाणा के तीन आईएएस को सीबीआई कर सकती है गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। बैंक घोटाले की जांच कर रही सीबीआई द्वारा चार्जशीट में छह आईएएस अधिकारियों का नाम शामिल किए जाने के बाद प्रदेश की अफसरशाही में हड़कंप मच गया है। तीन आईएएस अधिकारियों को सीबीआई पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। चार्जशीट में नाम आने के बाद तीन आईएएस अधिकारियों पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। गुरुवार को दिनभर सचिवालय में उक्त अधिकारियों के संबंध में चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। यह पहला अवसर है जब सीबीआई ने चार्जशीट में छह आईएएस अधिकारियों के नाम शामिल किए हैं। एजेंसी का आरोप है कि सरकारी धन को नियमों को दरकिनार कर कुछ बैंक शाखाओं में स्थानांतरित किया गया और कई खातों में घुमाने के बाद नकदी में बदला गया। सीबीआई ने दावा किया कि कुल 504 करोड़ रुपए की हेराफेरी हुई है। सीबीआई की चार्जशीट में 1991 बैच के विनीत गर्ग, 2000 बैच के पंकज अग्रवाल, 2002 बैच के मोहम्मद शाइन, 2005 बैच के साकेत कुमार, 2011 बैच के प्रदीप कुमार और 2012 बैच के राम कुमार सिंह के नाम हैं। सीबीआई इनमें से राम कुमार सिंह को 18 जून, पंकज अग्रवाल को 22 जून और प्रदीप कुमार को 1 जुलाई 2026 को गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई द्वारा इस मामले में गिरफ्तार किए गए आईएएस राम कुमार सिंह उस अवधि में पंचकूला नगर निगम के आयुक्त थे, जब निगम के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, सेक्टर-32 चंडीगढ़ स्थित खाते से करीब 79.46 करोड़ रुपए की कथित हेराफेरी हुई। आईएएस पंकज अग्रवाल की भूमिका हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद और हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के खातों से जुड़े मामले में सामने आई। वह उस समय स्कूल शिक्षा और कृषि विभाग के प्रधान सचिव थे, जब इन संस्थाओं के खाते आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की सेक्टर-32 चंडीगढ़ शाखा में खोले गए। सीबीआई के अनुसार, खातों को खोलने में वित्त विभाग के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन हुआ। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि दोनों संस्थाओं से जुड़े खातों से करीब 60.54 करोड़ रुपए की कथित हेराफेरी हुई। आईएएस प्रदीप कुमार उस समय हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव थे, जब बोर्ड से संबंधित सरकारी धन की कथित हेराफेरी हुई। सीबीआई के अनुसार, उनकी भूमिका एचएसपीसीबी के उन सरकारी खातों और लेनदेन से जुड़ी जांच का हिस्सा है, जिनमें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की सेक्टर-32 शाखा के माध्यम से कथित वित्तीय अनियमितताएं हुईं। सीबीआई की जांच के अनुसार, आरोपी सरकारी अधिकारियों ने दोनों बैंकों के अधिकारियों के साथ कथित मिलीभगत कर सरकारी धन की हेराफेरी की। हरियाणा सरकार के आठ विभागों का अधिकृत बैंकों में रखा धन आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की कुछ शाखाओं में स्थानांतरित किया गया। सीबीआई की चार्जशीट में नाम आने के बाद उक्त अधिकारियों के विरूद्ध शिकंजा कसना तय माना जा रहा है। हरियाणा सरकार छह आईएएस अधिकारियों के खिलाफ केस चलाने की केंद्र से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत मंजूरी मांगेगी। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के अनुसार, किसी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी पर भ्रष्टाचार या रिश्वत के मामले में अदालत में मुकदमा शुरू करने से पहले सरकार या संबंधित विभाग से अनुमति लेना जरूरी होता है। राज्य सरकार के एक अधिकारी के अनुसार, अभी सरकार ने केंद्र को आवेदन नहीं भेजा है। आवेदन पर केंद्र सरकार का डीओपीटी विभाग निर्णय लेगा।

पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ दिया स्पष्ट संदेश : सर्वप्रिय त्यागी

गुरुग्राम (हिंस)। भाजपा गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाल ही में संपन्न हुए उज्बेकिस्तान एवं किर्गिज गणराज्य के सफल दौरे और बिश्केक में आयोजित 26वें शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भारत के प्रभावी प्रतिनिधित्व को देश के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। सर्वप्रिय त्यागी ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व पटल पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और निर्णायक राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 29 से 30 अगस्त तक उज्बेकिस्तान तथा 31 अगस्त से एक सितंबर तक किर्गिज गणराज्य की यात्रा की। इस दौरान ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता हुई, जबकि बिश्केक में 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने भारत की प्राथमिकताओं और वैश्विक दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से रखा। यह यात्रा भारत और मध्य एशिया के बीच रणनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंधों को नई मजबूती देने वाली रही। उन्होंने कहा कि उज्बेकिस्तान के साथ भारत के संबंधों को कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप के रूप में और अधिक मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण सहमति बनी। व्यापार एवं निवेश, परिवहन कनेक्टिविटी, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

श्री हरमंदिर साहिब परिसर में गुटका साहिब के अंग फाड़ने का आरोप, एक व्यक्ति गिरफ्तार

अमृतसर (हिंस)। अमृतसर पुलिस ने गुरुवार को श्री हरमंदिर साहिब परिसर में कथित बेअदबी की घटना के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि व्यक्ति ने गुटका साहिब के अंग फाड़कर एक महिला श्रद्धालु के दुपट्टे से बांध दिए। पुलिस के अनुसार महिला अपने परिवार के साथ श्री अकाल तख्त साहिब पर माथा टेक रही थी। इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर गुटका साहिब के फटे हुए अंग महिला के दुपट्टे से बांध दिए। महिला को बाद में इसका पता चला, जिसके बाद उसने तुरंत शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के कर्मचारियों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद एसजीपीसी की ओर से कोतवाली पुलिस को शिकायत दी गई। सहायक पुलिस आयुक्त सुरिंदर सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शिकायत एसजीपीसी कर्मचारी सिमरनजीत सिंह की ओर से दर्ज करवाई गई, जो परिक्रमा क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात थे।

कोटकपूरा गोलीकांड : सुखबीर बादल समेत अन्य आरोपी चंडीगढ़ कोर्ट में पेश हुए

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल कोटकपूरा गोलीकांड और बेअदबी से जुड़े अन्य मामलों में चंडीगढ़ की अदालत में पेश हुए। उनके साथ मामले के अन्य आरोपित भी अदालत पहुंचे। सुनवाई को देखते हुए अदालत परिसर के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। सुनवाई के दौरान आरोपितों की ओर से पेश वकीलों ने अदालत से लंबित जांच की स्थिति स्पष्ट करने के लिए अभियोजन पक्ष को निर्देश देने का अनुरोध किया। बचाव पक्ष ने कहा कि पंजाब पुलिस की ओर से की जा रही जांच को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। इस पर अदालत ने अभियोजन पक्ष को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई पर सभी संबंधित मामलों में लंबित जांच की स्थिति स्पष्ट की जाए। इससे पहले 10 अगस्त को हुई सुनवाई के दौरान पंजाब पुलिस ने सरकारी वकील के माध्यम से कोटकपूरा और बहबल कलां गोलीकांड मामलों में लंबित जांच से संबंधित स्थिति रिपोर्ट अदालत में सीलबंद लिफाफे में पेश की थी। बेअदबी से जुड़े कोटकपूरा के मामलों में गोलीकांड और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से संबंधित मामलों की सुनवाई

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के निर्देश पर अप्रैल में चंडीगढ़ की सत्र अदालत में स्थानांतरित की गई थी। कोटकपूरा गोलीकांड की घटना 14 अक्टूबर, 2015 को हुई थी। इससे पहले जून और सितंबर, 2015 में बरगाड़ी और बुर्ज जवाहर सिंह वाला गांवों के गुरुद्वारों में बेअदबी की घटनाएं सामने आई थीं। इन घटनाओं के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस की ओर से गोली चलाए जाने की घटना कोटकपूरा में हुई थी। इसी अवधि में बहबल कलां में भी गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें दो लोगों की मौत हुई थी। कोटकपूरा गोलीकांड में कई अन्य लोग घायल हुए थे। मामले में पंजाब पुलिस के कई वरिष्ठ और पूर्व अधिकारियों को भी आरोपित बनाया गया है। इनमें पूर्व डीजीपी सुमेध सिंह सैनी, परमराज सिंह उमरानंगल, चरनजीत सिंह शर्मा, अमर सिंह चहल और सुखमिंदर सिंह मान हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल भी कोटकपूरा गोलीकांड मामले में आरोपित हैं। अदालत में सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने लंबित जांच को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग दोहराई। वकीलों ने कहा कि मामलों की जांच को लेकर पंजाब पुलिस की वर्तमान स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है, ताकि आगे की कानूनी प्रक्रिया को लेकर स्थिति साफ हो सके। अदालत ने अभियोजन पक्ष को निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई के दौरान सभी संबंधित मामलों में लंबित जांच की स्थिति के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जाए। इसके बाद अदालत आगे की कार्यवाही पर निर्णय लेगी। सुनवाई के मद्देनजर अदालत परिसर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। पुलिसकर्मियों की बड़ी संख्या में तैनाती के कारण अदालत परिसर में आने-जाने वालों पर भी निगरानी रखी गई।

चित्रकूट हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिया संज्ञान, 24 घंटे में मुआवजा देने के निर्देश

चित्रकूट (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद चित्रकूट में हुए दर्दनाक हादसे का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य तेज करने तथा घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि मृतकों के परिजनों से संवाद कर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। साथ ही हादसे में हुई जनहानि एवं आर्थिक क्षति का तत्काल आकलन कर 24 घंटे के भीतर नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए अधिकारियों को उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने और पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

गंगा के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ की स्थिति का नीतीश कुमार ने लिया जायजा

पटना (हिंस)। जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री, बिहार सह राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं उत्पन्न बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जेपी सेतु क्षेत्र से लेकर सिक्स लेन पुल तक पहुंचकर गंगा के जलस्तर, नदी के बहाव एवं आसपास के इलाकों की स्थिति का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा इस दौरान उनके साथ रहे। नीतीश कुमार ने गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण आसन्न संकट को देखते हुए कहा कि सरकार और प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि निचले इलाकों एवं नदी किनारे रहने वाले लोगों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नीतीश कुमार ने आमलोगों से अपील की कि घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार पूरी तरह तत्पर है और प्रशासन मुस्तैदी से अपना काम कर रहा है। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई होगी और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता पहुंचाई जाएगी।

कलश यात्रा एवं मंगल गीतों से बताया मतदान का महत्व

जोधपुर (हिंस)। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के दृष्टिगत मतदाताओं को जागरूक करने एवं लोकतांत्रिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नोडल अधिकारी स्वीप एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद जोधपुर के निर्देशन में जिला प्रशासन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गुरुवार को मतदाता जागरूकता कलश यात्रा का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक सिद्धार्थ सांदू ने बताया कि विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा घंटाघर से कचहरी परिसर तक कलश यात्रा निकालकर आमजन को मतदान के महत्व एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का संदेश दिया गया। कलश यात्रा के दौरान वोट करें, लोकतंत्र को मजबूत करें की थीम पर जागरूकता एवं मंगल गीतों के माध्यम से मतदाताओं को अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने तथा अन्य पात्र मतदाताओं को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा की कार्यशाला मंत्री दिलीप जायसवाल और प्रदेश उपाध्यक्ष ने लिया भाग

अररिया (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को अररिया जिला भाजपा कार्यालय में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक पूरे देश में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा ने की, जबकि मंच संचालन जिला भाजपा महामंत्री कृष्ण कुमार सेनानी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार सरकार के भूमि एवं राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल तथा नवनियुक्त विधान पार्षद सह भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल कुमार ठाकुर उपस्थित रहे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, समर्पण, सुशासन और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता समाज

के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचकर सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों को गति देंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप देने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा ने कहा कि पार्टी के निर्देशानुसार पूरे एक माह तक जिले के विभिन्न मंडलों एवं बूथ स्तर तक विविध सेवा आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण के साथ जुटने की अपील की। कार्यक्रम में नवनियुक्त विधान पार्षद एवं प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल कुमार ठाकुर ने भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए सेवा संकल्प अभियान को संगठन की मजबूती और समाज के बीच भाजपा की सेवा भावना को और सशक्त करने वाला अभियान बताया।

अमृतसर में अवैध हथियार नेटवर्क का भंडाफोड़, 2 गिरफ्तार

अमृतसर (हिंस)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार करके .30 बोर की आठ अवैध पिस्तौलें और 103 जिंदा कारतूस बरामद करके अवैध हथियार आपूर्ति नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने बताया कि तरन तारन के गांव बैंका निवासी रणजीत सिंह उर्फ जीता (24) और तरन तारन के गांव तारा सिंह निवासी गुरबीर सिंह उर्फ गोरा (32) को गिरफ्तार किया गया है। रणजीत उर्फ जीता आपराधिक पृष्ठभूमि वाला है और उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम, एनडीपीएस अधिनियम और विस्फोटक अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गुरुद्वारा बोहड़ी साहिब रोड के पास नाका लगाया और रणजीत सिंह उर्फ जीता को एक .30 बोर पिस्तौल और तीन जिंदा कारतूसों समेत गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आगे की जांच के दौरान, उसके कब्जे से चार अन्य .30 बोर पिस्तौलें और 100 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। सीपी ने बताया कि रणजीत उर्फ जीता से की गई पूछताछ के दौरान उसके साथी गुरबीर उर्फ गोरा को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से तीन .30 बोर पिस्तौलें बरामद कीं। जांच के दौरान पता चला है कि गुरबीर उर्फ गोरा लगभग छह महीने पहले दुबई से वापस आया था। इस संबंध में पुलिस स्टेशन इस्लामाबाद में एफआईआर दर्ज की गई है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में कमजोरी का दौर लगातार जारी है। शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी में जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में सोना 1,900 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,070 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत 2,400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,620 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गिर गई है। चांदी भी ज्यादातर सर्राफा बाजार में 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है।

भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,39,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार में 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,39,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

हैकरों से एक कदम आगे रहना होगा आटो उद्योग को: मारुति सुजुकी, उद्योग को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को लगातार मजबूत करना होगा

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारतीय वाहन उद्योग को साइबर हमलों से एक कदम आगे रहने का आह्वान किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हैकर लगातार अपनी तकनीक को उन्नत कर रहे हैं, जिसके मद्देनजर उद्योग को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को लगातार मजबूत करना होगा। हाल के वर्षों में कई बड़े साइबर हमलों ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है, जिससे अरबों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। आटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (एक्मा) के 66वें सालाना सत्र में अपने भाषण के दौरान ताकेउची ने कहा कि जैसे-जैसे उद्योग अधिक डिजिटल होता जा रहा है, साइबर सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि संगठन आधुनिक तकनीक में निवेश कर अपने साइबर सुरक्षा सिस्टम को मजबूत कर रहे हैं, लेकिन साथ ही हैकर्स भी अपनी तकनीक को बेहतर और अधिक स्मार्ट बना रहे हैं। ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि हम उनसे हमेशा एक कदम आगे रहें। उन्होंने सितंबर 2025 में टाटा मोटर्स की कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) पर हुए बड़े साइबर हमले का उदाहरण दिया। इस हमले के कारण ब्रिटिश लग्जरी कार कंपनी को अपने आईटी सिस्टम बंद करने पड़े और ब्रिटेन के संयंत्र में उत्पादन लगभग छह सप्ताह तक रोकना पड़ा। इस रुकावट ने विनिर्माण, रिटेल और वितरण पर गंभीर असर डाला, जिससे जेएलआर को 19.6 करोड़ पौंड का भारी खर्च उठाना पड़ा। थोक बिक्री में 24 प्रतिशत और रिटेल बिक्री में 17 प्रतिशत की गिरावट आई।

ई-कामर्स सेक्टर में बंपर भर्तियां, त्योहारी सीजन ला रहा लाखों रोजगार, मीशो 10 लाख, अमेजन 1.6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर देगा

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन शुरू होते ही ई-कामर्स और लाजिस्टिक्स कंपनियों ने रोजगार के नए द्वार खोल दिए हैं। इस साल मांग में भारी उछाल की उम्मीद के चलते मीशो और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियां मिलकर लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं। यह हायरिंग प्रक्रिया अगस्त से शुरू होकर सर्दियों के शादी सीजन तक जारी रहने की संभावना है। त्योहारी सीजन के नजदीक आते ही ई-कामर्स और लाजिस्टिक्स कंपनियों ने उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर भर्तियां शुरू कर दी हैं। इस साल त्योहारी बिक्री स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन के साथ अगस्त में ही अपेक्षाकृत जल्दी शुरू हो चुकी है, जिसके दीवाली और उसके बाद सर्दियों के शादी के सीजन तक जारी रहने की उम्मीद है। ई-कामर्स प्लेटफार्म मीशो इस त्योहारी सीजन में 10 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसमें लगभग 6.5 लाख लोग उसके विक्रेता नेटवर्क से जुड़ेंगे, जबकि करीब 3.75 लाख लोग लाजिस्टिक्स विभाग में काम करेंगे। मीशो का लाजिस्टिक्स प्लेटफार्म वाल्मो अन्य भागीदारों के साथ मिलकर डिलीवरी, सार्टेशन और सेंटर संचालन जैसी भूमिकाओं के लिए लोगों को नियुक्त करेगा।

पश्चिमी एशिया में तनाव से कच्चे तेल में उबाल, ब्रेंट क्रूड 95 डालर के पार; 6 हफ्तों का उच्चतम स्तर

नई दिल्ली। पश्चिमी एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव के चलते वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में अभूतपूर्व उछाल जारी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी दर्ज की गई है, जिसने ब्रेंट क्रूड को 95 डालर प्रति बैरल के आंकड़े से ऊपर पहुंचा दिया है। यह लगभग छह हफ्तों का उच्चतम स्तर है, जबकि अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट भी 90 डालर प्रति बैरल के पार निकल गया है। निवेशक इजरायल-हमास युद्ध के बीच ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का आकलन कर रहे हैं, जिसका सीधा असर तेल की आपूर्ति और कीमतों पर पड़ रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में यह तेजी बीते कारोबारी सत्र में दर्ज की गई मजबूत बढ़ोतरी के बाद आई है। मंगलवार को ब्रेंट क्रूड वायदा में 4.6 फीसदी की जोरदार उछाल दर्ज की गई, जिससे यह 94.65 डालर प्रति बैरल पर बंद हुआ और बाद में एशियाई कारोबार में 95 डालर के पार निकल गया।

वैश्विक व्यवधान के बावजूद भारत की 7.8 फीसदी ग्रोथ शानदार : सीतारमण

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त और कार्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि दुनियाभर में आई मुश्किलों के बावजूद भारत ने वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की शानदार ग्रोथ दर्ज की है। इसके साथ ही तमाम चुनौतियों के बावजूद यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है।

वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को एक्स पर जारी पोस्ट में बताया कि केंद्रीय वित्त और कार्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को न्यूयार्क में बैंक आफ़ अमेरिका के साथ मिलकर भारत के महावाणिज्य दूतावास के द्वारा आयोजित एक उच्च-स्तरीय व्यावसायिक गोलमेज बैठक में निवेशकों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

निर्मला सीतारमण ने निवेशकों से कहा, दुनियाभर में आई मुश्किलों और तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत ने 7.8 फीसदी की शानदार विकास दर दर्ज की है।

सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सुधारों पर जोर देते हुए भारत ने कई सुधारों (जैसे इनसाल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड) के जरिए रेगुलेटरी निश्चितता भी प्रदान की है। ऐसे सुधारों से नियमों का पालन करना आसान हुआ है और कागजी काम कम हुआ है। उन्होंने बताया कि एक दशक से ज्यादा समय पहले सत्ता में आने के बाद से ही भारत सरकार का यह मुख्य फोकस रहा है।

वित्तमंत्री ने कहा कि सरकार ने जिन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है, उनमें शामिल हैं: कैपिटल एसेट्स का निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (खासकर एविएशन) के ज़रिए इंडस्ट्री को लगातार समर्थन देना; निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाना, एआई और डेटा सेंटर्स के विकास को बढ़ावा देना; ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स को समर्थन देना, एमएसएमई को क्रेडिट की उपलब्धता सुनिश्चित करना और बैंकों के नान-परफार्मिंग एसेट्स (एनपीए) को कम करना। उन्होंने कहा कि इन उपायों से बैंकों और इंडस्ट्री के फलने-फूलने, बढ़ने और मजबूत होने के लिए बेहतर बिजनेस माहौल बनाने में मदद मिली है।

सीतारमण ने कहा कि कोविड-19 के आने के बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने लगातार आ रही चुनौतियों के बावजूद भारत पिछले कई वर्षों से फिस्कल प्रूडेंस (वित्तीय समझदारी) और फिस्कल डिसिप्लिन (वित्तीय अनुशासन) के रास्ते पर चलने के लिए लगातार प्रतिबद्ध रहा है।

केंद्रीय वित्तमंत्री ने भारत में निवेश के माहौल के बारे में बात की, जिसमें काफी सुधार हुआ है। केंद्र और राज्य सरकारें अपने-अपने क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने और उसे आसान बनाने में ज्यादा दिलचस्पी और प्रतिस्पर्धा दिखा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कोशिशें विकसित भारत 2047 के विजन को हासिल करने की बड़ी राष्ट्रीय मुहिम का हिस्सा हैं।

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने स्वागत भाषण में कहा कि 31 अगस्त को जारी पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मज़बूती को दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के मजबूत संबंध बनाकर भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का फ़ायदा दोनों देश उठा सकते हैं। इससे पहले न्यूयार्क के पेन स्टेशन पर पहुंचने पर अमेरिका में भारत के राजदूत वी. एम. क्वात्रा और कार्यवाहक महावाणिज्य दूत विशाल हर्ष ने सीतारमण का स्वागत किया।

डाक्टरों की कमी के बीच विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट्स की राह मुश्किल

नई दिल्ली

भारत गंभीर डाक्टरों की कमी से जूझ रहा है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ डाक्टरों का अभाव गहराता जा रहा है। इस बीच विदेश से मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर लौटे हजारों भारतीय स्नातक देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। हाल ही में हुई अनिवार्य लाइसेंस परीक्षा में 87 प्रतिशत से अधिक उम्मीदवार असफल रहे, जिससे देश की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने की चुनौती और भी बढ़ गई है।

राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा हाल ही में आयोजित फारेन मेडिकल ग्रैजुएट परीक्षा (एफएमजीई) में चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं। 37,448 पंजीकृत उम्मीदवारों में से 36,288 ने परीक्षा दी, लेकिन केवल 4,635 (12.77 प्रतिशत) ही इसे पास कर पाए। यह स्थिति ऐसे समय में आई है जब भारत में डाक्टरों की भारी कमी है और वे समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2023 तक ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में 21,964 विशेषज्ञ डाक्टरों की आवश्यकता के मुकाबले केवल 4,413 ही उपलब्ध थे, यानी लगभग 80 प्रतिशत की कमी। दिल्ली स्थित एम्स के एक रेजिडेंट डाक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, देश में मेडिकल शिक्षा महंगी होने के कारण हजारों छात्रों को एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए विदेश जाना पड़ता है।

अनिवार्य लाइसेंस परीक्षा में 87 फीसदी से अधिक फेल

भारत में हर साल 22 लाख से अधिक छात्र नीट-यूजी परीक्षा देते हैं, जबकि देश में एमबीबीएस की केवल 1.30 लाख स्नातक सीटें ही उपलब्ध हैं। इनमें से लगभग 63,700 सीटें सरकारी कालेजों में हैं, जिनकी फीस निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों की तुलना में काफी कम होती है। निजी मेडिकल कालेजों में पढ़ाई का खर्च 80 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे यह मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक मुश्किल सपना बन जाता है।

एसबीआई यूपीआई सेवा 4 सितंबर रात 45 मिनट के लिए बंद रहेगी

नई दिल्ली। अगर आप भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के यूपीआई यूजर हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। बैंक ने घोषणा की है कि 4 सितंबर की रात को उसकी यूपीआई सेवाएं 45 मिनट के लिए अस्थायी रूप से उपलब्ध नहीं रहेंगी। यह रुकावट सिस्टम के निर्धारित मेंटेनेंस के कारण होगी, जिससे ग्राहकों को इस अवधि में आनलाइन भुगतान में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई के अनुसार सेवाएं 4 सितंबर की रात 12:15 बजे से 1:00 बजे तक बंद रहेंगी। इस दौरान, ग्राहक यूपीआई के माध्यम से पैसे भेजने, बिल भरने या आनलाइन खरीदारी जैसे कोई भी भुगतान नहीं कर पाएंगे। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि यदि उन्हें इस अवधि के आसपास कोई जरूरी भुगतान करना है, तो उसे पहले ही निपटा लें। अचानक परेशानी से बचने के लिए वैकल्पिक डिजिटल भुगतान विकल्पों को भी तैयार रखने की सलाह दी गई है। एसबीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के माध्यम से ग्राहकों को सूचित करते हुए असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। बैंक ने इस अवधि के दौरान छोटे भुगतानों के लिए यूपीआई लाइट का विकल्प भी सुझाया है।

बढ़ती यील्ड के बावजूद लार्जकैप आकर्षक, इक्विटी रिस्क प्रीमियम ऊंचे स्तर पर

खुदरा निवेश की लहर के बावजूद स्मालकैप पर महंगी पूंजी और कच्चे माल का बोझ

नई दिल्ली

बढ़ती बान्ड यील्ड और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए एक दिलचस्प तस्वीर उभर रही है। जहां एक ओर बान्ड यील्ड में तेजी ने चिंता बढ़ाई है, वहीं लार्जकैप शेयर अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहे हैं। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मालकैप सेगमेंट ऊंचे मूल्यांकन के चलते महंगे बने हुए हैं, जिससे बाजार अब टू-स्पीड मोड में प्रवेश करता दिख रहा है। वर्तमान में जब 10 साल के बान्ड की यील्ड 6.9 फीसदी तक पहुंच गई, तो भारतीय बाजार के निवेशक चिंतित हो गए। खासकर ऐसे समय में जब निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले एक साल में 3 फीसदी का घाटा दिया है और तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, आंकड़ों से पता चलता है कि निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम (यानी शेयर से होने वाली कमाई और 10 साल के सरकारी बान्ड से मिलने वाले रिटर्न के बीच का अंतर) दीर्घावधि के सबसे अच्छे स्तरों पर है। 2012 से अब तक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, निफ्टी 50 का इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 2.41 फीसदी पर 66वें परसेंटाइल पर है। इसका सीधा मतलब है कि पिछले 10 सालों में 66 फीसदी हफ्तों में अर्निंग यील्ड और बान्ड यील्ड के बीच का अंतर अभी की तुलना में अधिक था, यानी लार्जकैप इस समय अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक हैं। निफ्टी 50 इंडेक्स की अर्निंग्स यील्ड 4.61 फीसदी है, जो बढ़ती बान्ड यील्ड के बावजूद इसे निवेशकों के लिए लुभावना बनाती है। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मालकैप सेगमेंट की तस्वीर अलग है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 3.85 फीसदी (26वां परसेंटाइल) है, और स्मालकैप इंडेक्स के लिए माइनस 3.61 फीसदी (32वां परसेंटाइल) है। यह दर्शाता है कि ऐतिहासिक रूप से मिडकैप और स्मालकैप कम आकर्षक स्तरों पर हैं। 31 गुना और 33 गुना के पीई मल्टीपल के साथ, ये सेगमेंट पिछले 14 वर्षों की तुलना में बहुत महंगे हैं। उनका रिस्क प्रीमियम पिछले 14 सालों के निचले क्वार्टाइल में है, जो 2023-24 की उस तेजी का परिणाम है जिसे नियामक ने खुद अत्यधिक तेजी वाला बताया था। यह स्थिति बाजार को दो स्पष्ट दिशाओं में बांटती है: एक तरफ वैल्यू के लिहाज से आकर्षक लार्जकैप सेगमेंट, जो भारत की ब्लूचिप कंपनियां हैं और पिछले दो सालों से विदेशी निवेश की निकासी झेल रही हैं। दूसरी तरफ स्मालकैप में आई जबरदस्त तेजी, जिसने कोविड के बाद खुदरा निवेश की लहर को आगे बढ़ाया था, अब बान्ड बाजार की चुनौतियों का सामना करेगी।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद कमजोरी के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण लगातार तीन दिन की गिरावट से उबरते हुए वाल स्ट्रीट के सूचकांक हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 295.01 अंक यानी 0.56 प्रतिशत उछल कर 53,061.89 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,666.60 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक

118.05 अंक यानी 0.45 प्रतिशत उछल कर 26,217.83 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 53,110.98 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,756.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,280.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 130.78 अंक यानी 0.51 प्रतिशत टूट कर 25,839.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता हैंग सेंग इंडेक्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 25,291 अंक के स्तर पर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 136.50 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,101.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.52 प्रतिशत उछल कर 5,773.81 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 108.36 अंक यानी 1.62 प्रतिशत की छलांग लगा कर 6,671.08 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.76 प्रतिशत की उछाल के साथ 6,646.42 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.47 प्रतिशत उछल कर 1,582.53 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,958.19 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 200.07 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 46,364.79 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 209.36 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 64,535 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

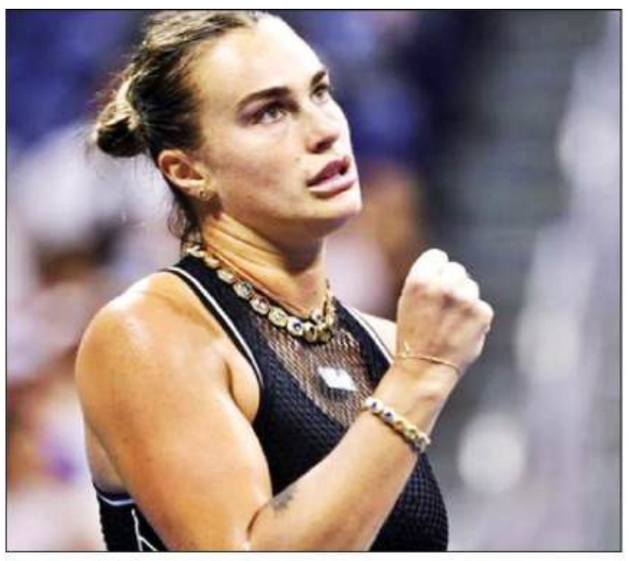

यूएस ओपन : आर्यना सबालेंका ने 53 मिनट में जीता मुकाबला, तीसरे दौर में पहुंचीं

न्यूयार्क

शीर्ष वरीय बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन 2026 में शानदार अंदाज में तीसरे दौर में जगह बना ली। सबालेंका ने पोलिना यात्सेंको को सिर्फ 53 मिनट में 6-1, 6-1 से हराकर लगातार तीसरी बार यूएस ओपन खिताब जीतने की अपनी दावेदारी मजबूत की।

सबालेंका टूर्नामेंट में मुश्किल दौर से गुजरने के बाद पहुंची थीं और उनकी शीर्ष रैंकिंग भी खतरे में थी, लेकिन उनके खेल में ऐसी कोई परेशानी नजर नहीं आई। उन्होंने आक्रामक और दमदार शाट्स के दम पर मुकाबले पर शुरू से अंत तक नियंत्रण बनाए रखा।

सबालेंका ने मैच के बाद कहा, आज मैंने जिस स्तर का खेल दिखाया, उससे खुश हूं। अपने फोकस से भी खुश हूं और इस मुकाबले को जीतकर आगे बढ़ने से भी।

पहले सेट में सबालेंका ने पहली सर्विस पर खेले गए 16 में से 15 अंक जीते। दूसरे सेट में भी उन्होंने दबदबा बनाए रखा और पूरे मैच में पहली सर्विस पर 28 में से 21 अंक अपने नाम किए। उनकी प्रतिद्वंद्वी यात्सेंको पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेल रही थीं।

सबालेंका फ्लशिंग मीडोज में लगातार तीन खिताब जीतने वाली 2012 से 2014 के बीच सेरेना विलियम्स के बाद पहली महिला खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं। हालांकि, खिताब जीतने के बावजूद शीर्ष रैंकिंग बनाए रखने के लिए उन्हें अन्य परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सत्र के बीच में मुझे थोड़ी परेशानी हुई थी। मैं यह नहीं बताने जा रही कि ऐसा क्यों हुआ, लेकिन अपने मौजूदा स्तर से खुश हूं। मानसिक रूप से मैं सत्र के बीच की तुलना में काफी मजबूत हूं और शारीरिक रूप से भी बेहतर महसूस कर रही हूं।

बारिश के कारण कार्यक्रम प्रभावित

न्यूयार्क में एक बार फिर बारिश ने खेल कार्यक्रम को प्रभावित किया। बाहरी कोर्ट पर मुकाबले कुछ समय के लिए रोकने पड़े, जबकि आर्थर ऐश स्टेडियम और लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम की छत वाले कोर्ट पर मुकाबले बिना रुकावट जारी रहे।

छठी वरीयता प्राप्त आस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर का मुकाबला भी बारिश के कारण दो बार स्थानांतरित हुआ। अंतत: उन्होंने कोर्ट नंबर 11 पर अपना अभियान शुरू किया और इटली के एंड्रिया गुरिएरी को 6-2, 6-2, 6-4 से हराया।

स्पेन की पाउला बाडोसा ने भी अधूरे छोड़े गए मुकाबले को पूरा करते हुए डारिया कसात्किना को 6-1, 6-4 से हराया। अब दूसरे दौर में उनका सामना चौथी वरीय कोको गाफ से होगा।

वहीं स्पेन के 19 वर्षीय राफेल जोदार को चीन के बु युनचाओकेते ने 6-2, 6-1, 6-1 से हराकर बाहर कर दिया।

पुरुष एकल के पहले दौर के मुकाबले भी पूरे हो गए। अमेरिकी एलेक्स माइकेल्सन ने 16वीं वरीयता प्राप्त ब्रैंडन नकाशिमा को 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर उलटफेर किया।

महिला वर्ग में सातवीं वरीय कैरोलिना मुचोवा ने केटी बोल्टर को 6-1, 6-0 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। 11वीं वरीय मार्ता कोस्त्युक ने 2017 की यूएस ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस को 6-1, 7-5 से मात दी। 31वीं वरीय लेयला फर्नांडीज ने भी अगले दौर में जगह बना ली, जहां उनका सामना जेसिका पेगुला से होगा।

न्यूज ब्रीफ

चाइना मास्टर्स: किदांबी श्रीकांत ने विश्व नंबर-9 विक्टर लाई को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व नंबर-9 विक्टर लाई को सीधे गेमों में हराकर चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट के मुकाबले में कनाडा के लाई को 21-18, 21-19 से हराया। श्रीकांत ने एक घंटे से भी कम समय चले मुकाबले में संयमित और प्रभावी प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों गेमों में महत्वपूर्ण मौकों पर धैर्य बनाए रखा और दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया। लाई हाल के दिनों में शानदार फार्म में थे। उन्होंने चाइना मास्टर्स के पहले दौर में भारत के लक्ष्य सेन को हराया था। इससे पहले लाई ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। इसके बावजूद श्रीकांत ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। श्रीकांत ने टूर्नामेंट की शुरुआत भी आत्मविश्वास के साथ की थी। उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के विश्व नंबर-21 ची यू-जेन को महज 35 मिनट में 21-16, 21-15 से हराया था। क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत का सामना हांगकांग चीन के ली च्युक यिउ से होगा।

यूएस ओपन: गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने जेमी फारिया को हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

न्यूयार्क। गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने कलाई की चोट के कारण करीब पांच महीने तक बाहर रहने के बाद यूएस ओपन में अपनी वापसी को मजबूती दी है। स्पेन के अल्कराज ने बुधवार को पुर्तगाल के जेमी फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। लगभग पांच महीने बाद सोमवार को रोमन सफीउल्लिन के खिलाफ सीधे सेटों में जीत के साथ वापसी करने वाले अल्कराज को फारिया के खिलाफ पहले सेट में संघर्ष करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 72वें स्थान पर काबिज फारिया ने 4-3 की बढ़त के लिए अल्कराज की सर्विस तोड़ी और अपनी मजबूत सर्विस के दम पर पहला सेट 6-4 से जीत लिया। दूसरे सेट की शुरुआत में भी फारिया ने अल्कराज पर दबाव बनाया और दो बार ब्रेक का मौका हासिल किया। हालांकि, अल्कराज ने सही समय पर अपने खेल की गति बढ़ाई। उन्होंने आर्थर ऐश स्टेडियम में दर्शकों को शानदार ड्राप शाट और लाब के संयोजन से रोमांचित किया और दूसरा सेट 6-0 से जीतकर मुकाबले में वापसी की। तीसरे सेट में सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज ने अपने शानदार शाट्स से फारिया को लगातार दबाव में रखा। 23 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने धीरे-धीरे मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। चौथे सेट में फारिया की सर्विस कमजोर पड़ने का अल्कराज ने पूरा फायदा उठाया और 6-2 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब तीसरे दौर में उनका सामना चीन के वू यीबिंग से होगा ।

यूएस ओपन: टियाफोए तीसरे दौर में, इग्नासियो बुसे ने जीत के साथ दादा की विरासत को आगे बढ़ाया

न्यूयार्क। अमेरिका के फ्रांसेस टियाफोए ने जापान के क्वालीफायर रेई सकामोटो को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के तीसरे दौर में जगह बना ली। वहीं पेरू के इग्नासियो बुसे ने पांच सेट के रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज कर इस ग्रैंड स्लैम में अपनी पहली जीत हासिल की और अपने दादा एडुआर्डो की विरासत को आगे बढ़ाया। दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी टियाफोए ने लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच सकामोटो को 6-3, 7-6(7-2), 7-5 से हराया। टियाफोए की नजर न्यूयार्क में 23 साल से चले आ रहे अमेरिकी पुरुष चैंपियन के इंतजार को खत्म करने पर है। 28 वर्षीय टियाफोए ने मैच के पहले ही गेम में सकामोटो की सर्विस तोड़ी और पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में वह जीत की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन लगातार दो डबल फाल्ट ने सकामोटो को वापसी का मौका दे दिया। जापानी खिलाड़ी ने सेट को टाईब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन दो बार यूएस ओपन सेमीफाइनल खेल चुके टियाफोए ने टाईब्रेक में शुरुआती पांच में से चार अंक जीतकर दो सेट की बढ़त बना ली। सकामोटो ने मुकाबले में 18 ऐस लगाए, लेकिन 40 अनफोर्स्ड एरर भी किए। टियाफोए ने पहले दौर में पांच सेट तक चले मुकाबले के बाद इस बार सीधे सेटों में जीत दर्ज कर राहत की सांस ली। तीसरे दौर में उनका सामना कामिल माजचाक या वैलेन्तिन वाशेरो से होगा। बुसे ने दादा की विरासत को आगे बढ़ाया पेरू के 32वीं वरीयता प्राप्त इग्नासियो बुसे ने भी अमेरिकी खिलाड़ी मार्कोस गिरोन को 3-6, 6-3, 6-3, 6-7(6-8), 6-1 से हराकर यूएस ओपन में अपनी पहली जीत दर्ज की। कोर्ट नंबर छह पर तीन घंटे 48 मिनट चले मुकाबले में जीत के साथ बुसे ने अपने परिवार के ग्रैंड स्लैम इतिहास में नया अध्याय जोड़ा। 22 वर्षीय बुसे ने पांचवें सेट में मानसिक मजबूती दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

जूनियर एशिया कप : खिताब बचाने उतरेंगी भारतीय पुरुष और महिला हाकी टीमें, महिला टीम की नजर हैट्रिक पर

मोकी (चीन)

भारतीय जूनियर पुरुष और महिला हाकी टीमें एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने-अपने खिताब का बचाव करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चीन के मोकी में 4 से 13 सितंबर तक होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम लगातार तीसरी बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी, जबकि पुरुष टीम रिकार्ड छठी बार ट्राफी अपने नाम करने का लक्ष्य रखेगी।

महिला टीम की नजर लगातार तीसरे खिताब पर

भारतीय जूनियर महिला टीम ने पिछली दो प्रतियोगिताओं में खिताब जीता है और इस बार टीम की कप्तानी मिडफील्डर खैदेम शिलेम चानू करेंगी। टीम ने नए मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में लंबे समय तक योजनाबद्ध प्रशिक्षण किया है।

टूर्नामेंट की तैयारी के तहत भारतीय टीम ने इंग्लैंड का दौरा किया, जहां उसने स्काटलैंड की सीनियर महिला टीम, अमेरिका की अंडर-21, इंग्लैंड की अंडर-21 और बेल्जियम की अंडर-21 टीमों के खिलाफ सात मुकाबले खेले। इस दौरे से खिलाड़ियों को अलग-अलग खेल शैलियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का मौका मिला।

कोच टिम व्हाइट ने कहा कि टीम ने परिस्थितियों के साथ अच्छी तरह तालमेल बैठा लिया है और दक्षिण कोरिया के खिलाफ शुरुआती मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु में कई महीनों की तैयारी और इंग्लैंड दौरे के बाद टीम एशिया की मजबूत टीमों का सामना करने के लिए तैयार है।

भारत एलीट पूल में है और 5 सितंबर को दक्षिण कोरिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। इसके बाद 6 सितंबर को मलेशिया, 8 सितंबर को जापान और 9 सितंबर को मेजबान चीन से मुकाबला होगा।

पुरुष टीम के सामने छठी बार खिताब जीतने की चुनौती

भारतीय जूनियर पुरुष टीम भी गत चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी। भारत अब तक पांच बार जूनियर एशिया कप का खिताब जीत चुका है, जिसमें पिछले तीन संस्करणों की ट्राफियां भी शामिल हैं। इस बार डिफेंडर अनमोल एक्का टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोएज के कार्यकाल की शुरुआत खिताबी जीत के साथ करने का लक्ष्य होगा।

टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम ने बेल्जियम में अंतरराष्ट्रीय अंडर-21 टीमों के खिलाफ अभ्यास और अनुभव हासिल किया। टीम ने आस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड्स की मजबूत टीमों के खिलाफ मुकाबले खेले।

इसके अलावा बेंगलुरु में मलेशिया की अंडर-21 टीम के खिलाफ अभ्यास मैच और डालियान में मेजबान चीन के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला खेलकर टीम ने अपनी तैयारियों को और मजबूत किया। चीन के खिलाफ आखिरी अभ्यास मुकाबले में भारत ने 8-2 से शानदार जीत दर्ज की थी।

कोच फ्रेडरिक सोएज ने कहा कि चीन के खिलाफ आखिरी मैच से टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि डालियान में एक सप्ताह बिताकर खिलाड़ियों ने चीन की परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाया और अब टीम इंडोनेशिया के खिलाफ शुरुआती मुकाबले के लिए तैयार है। उनका लक्ष्य हर मैच के साथ प्रदर्शन में सुधार करना, रक्षात्मक ढांचे को मजबूत रखना और निरंतरता हासिल करना है।

भारत पूल ए में 5 सितंबर को इंडोनेशिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। इसके बाद 6 सितंबर को जापान, 8 सितंबर को दक्षिण कोरिया और 9 सितंबर को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबले होंगे।

दोनों भारतीय टीमें गत चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतर रही हैं। व्यापक तैयारियों और अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ भारतीय खिलाड़ियों के पास एशिया के शीर्ष स्तर पर खुद को साबित करने और अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

लाइव प्रसारण: जूनियर एशिया कप 2026 के मुकाबले एशियन हाकी फेडरेशन के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर देखे जा सकेंगे।

चाइना मास्टर्स में तन्वी शर्मा का अभियान समाप्त, अंतिम 16 में मियाजाकी से मिली हार

शेनझेन

भारतीय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा का चाइना मास्टर्स 2026 में सफर अंतिम-16 में समाप्त हो गया। तन्वी को जापान की विश्व नंबर-9 तोमोक मियाजाकी के खिलाफ 66 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआती दौर में डेनमार्क की अमाली शुल्ज को सीधे गेमों में 21-16, 21-17 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई थी। वहीं, मियाजाकी ने पहले दौर में अपनी हमवतन हिना अकेची को 19-21, 21-17, 21-19 से हराया था। तन्वी और मियाजाकी के बीच यह दूसरी भिड़ंत थी। इससे पहले इस साल इंडोनेशिया मास्टर्स में भी दोनों का आमना-सामना हुआ था, जहां मियाजाकी ने 21-18, 18-21, 21-16 से जीत दर्ज की थी। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। तन्वी और मियाजाकी लगातार अंक हासिल करती रहीं, लेकिन जापानी खिलाड़ी ने अंत में बढ़त बनाते हुए पहला गेम 21-17 से अपने नाम किया।

तन्वी ने दूसरे गेम में शानदार वापसी की और 8-2 की बढ़त बना ली। मियाजाकी ने वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर किया, लेकिन तन्वी ने दबाव में संयम बनाए रखा। उन्होंने ब्रेक तक 11-10 की बढ़त हासिल की और फिर 18-14 की बढ़त बनाकर गेम 21-18 से जीत लिया।

निर्णायक गेम में भी मुकाबला बराबरी का रहा। स्कोर 6-6 से बराबर होने के बाद तन्वी ने 8-7 और फिर 10-8 की बढ़त बनाई। ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ी 11-9 से आगे थीं।

हालांकि, ब्रेक के बाद मियाजाकी ने लगातार दबाव बनाया और 11-11 से बराबरी कर ली। इसके बाद जापानी खिलाड़ी ने मुकाबले पर नियंत्रण हासिल कर लिया और निर्णायक गेम 21-16 से जीतकर तन्वी का अभियान समाप्त कर दिया। ब्रेक के बाद तन्वी केवल पांच अंक ही हासिल कर सकीं।

नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने जीता महिला दिल्ली प्रीमियर लीग का खिताब

नई दिल्ली। नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए फाइनल में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को छह विकेट से हराकर महिला दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 का खिताब जीत लिया है। 123 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने 19 ओवर में चार विकेट पर 128 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। इससे पहले साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 122 रन बनाए। कप्तान श्वेता सहरावत ने 32 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 31 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर निशिका सिंह 30 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाकर नाबाद रहीं। नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए साउथ दिल्ली की बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। प्रिया मिश्रा, नाजमा, अर्चना, रेशिका बेनीवाल और अपेक्षा आनंद ने एक-एक विकेट लिया। अपेक्षा आनंद ने विशेष रूप से किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में केवल 13 रन दिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को उपासना यादव ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने आठ गेंदों पर नौ रन बनाए, जिसमें दो चौके शामिल थे।

इंडोनेशिया मास्टर्स : प्रणय बाहर, अश्मिता चालिहा ने अंतिम-8 में बनाई जगह

जकार्ता

भारत के अनुभवी शटलर एच.एस. प्रणय को इंडोनेशिया मास्टर्स में हार का सामना करना पड़ा। पुरुष एकल के अंतिम-16 के मुकाबले में शीर्ष वरीय प्रणय को चीन के शुआन चेन झू ने 22-20, 21-15 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। झू ने जब भी दो या तीन अंकों की बढ़त बनाई, प्रन्नाय ने वापसी करते हुए अंतर कम किया। 16-18 से पिछड़ने के बाद प्रणय ने लगातार तीन अंक लेकर 19-18 की बढ़त बना ली, लेकिन झू ने स्कोर 19-19 कर दिया। इसके बाद दोनों 20-20 की बराबरी पर पहुंचे, लेकिन चीनी खिलाड़ी ने लगातार दो अंक लेकर पहला गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में झू ने शुरू से ही नियंत्रण बनाए रखा और प्रणय को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने दूसरा गेम 21-15 से जीतकर 45 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

प्रणय ने इससे पहले अंतिम-32 के मुकाबले में चीनी ताइपे के लियाओ झुओ-फू को एक गेम से पिछड़ने के बाद 18-21, 21-15, 21-19 से हराया था। विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर काबिज प्रणय ने एक घंटे चार मिनट चले मुकाबले में जीत दर्ज कर अंतिम-16 में जगह बनाई थी।

प्रणय को शुरुआती दौर में बाई मिली थी। वह जुलाई के अंत में ताइपे ओपन में खेलने के बाद कोर्ट पर लौटे थे, जहां वह अंतिम-16 में बाहर हो गए थे। उन्हें नई दिल्ली में हुए विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी।

अश्मिता चालिहा अंतिम-8 में

महिला एकल में शीर्ष वरीय भारत की अश्मिता चालिहा ने शानदार वापसी करते हुए मलेशिया की गोह जिन वेई को 10-21, 21-10, 21-17 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया।

अश्मिता ने पिछले महीने ही कोरिया मास्टर्स सुपर 300 में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता था। उन्होंने फाइनल में चीन की चौथी वरीय हान चियान शी को कड़े मुकाबले में हराकर खिताब अपने नाम किया था। विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज अश्मिता गुवाहाटी स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में पार्क ताए-सांग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेती हैं।

एशियाई खेल 2026 : खेल मंत्रालय ने 503 खिलाड़ियों के लिए 246 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ को दी मंजूरी

नई दिल्ली

खेल मंत्रालय ने जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय दल के 246 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ को मंजूरी दे दी है। भारत के 503 खिलाड़ी 36 खेलों में हिस्सा लेंगे। एथलेटिक्स और क्रिकेट को सबसे बड़ा सहयोगी स्टाफ दिया गया है।

मंत्रालय ने पहले 35 खेलों में 492 खिलाड़ियों के दल को मंजूरी दी थी, लेकिन बाद में खासकर एथलेटिक्स में कुछ नाम जोड़े गए। एथलेटिक्स दल की संख्या 73 से बढ़कर 79 हो गई है। चार सर्फर को भी मंजूरी मिलने के बाद भारत की भागीदारी 36 खेलों में हो गई है।

अब भारतीय दल की कुल संख्या 768 हो गई है। इसमें 503 खिलाड़ी, 246 सहयोगी स्टाफ और 19 दल अधिकारी शामिल हैं। दल अधिकारियों में मिशन प्रमुख सहदेव यादव और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. दिनशा पार्डीवाला भी शामिल हैं।

एथलेटिक्स को सबसे बड़ा सहयोगी स्टाफ

चोटिल भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा की गैरमौजूदगी में एथलेटिक्स दल को सबसे बड़ा 31 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ मिला है। इसमें राष्ट्रीय कोच पी. राधाकृष्णन के नेतृत्व में 20 कोच शामिल हैं। नीरज चोपड़ा के कोच जय चौधरी और फिजियो ईशान मरवाहा को भी सहयोगी स्टाफ में जगह मिली है। रिलायंस फाउंडेशन के एथलेटिक्स निदेशक और मुख्य कोच जेम्स हिलियर भी दल का हिस्सा हैं। वह धावक गुरिंदरवीर सिंह के साथ काम करते हैं।

20th Asian Games
Aichi-Nagoya 2026

क्रिकेट और हाकी को भी मिला मजबूत स्टाफ

पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों को लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ 20 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ दिया गया है। पुरुष टीम के साथ वीवीएस लक्ष्मण और महिला टीम के साथ अमोल मजूमदार जिम्मेदारी संभालेंगे। क्रिकेट संचालन अधिकारी मारूफ फजांदार को टीम लीडर बनाया गया है।

40 सदस्यीय हाकी दल, जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें शामिल हैं, के लिए 14 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ को मंजूरी मिली है। इसमें छह कोच और तीन फिजियोथेरेपिस्ट शामिल हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के नेतृत्व वाले निशानेबाजी दल के साथ 17 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ रहेगा। इसमें 11 कोच शामिल हैं। हाई परफार्मेंस निदेशक पियरे ब्यूशांप, ट्रैप कोच पीटर विल्सन और पिस्टल कोच समरेश जंग भी दल में हैं।

भारोत्तोलन, मुक्केबाजी और बैडमिंटन

मीराबाई चानू के नेतृत्व वाले भारोत्तोलन दल के साथ राष्ट्रीय कोच विजय कुमार रहेंगे। 11 सदस्यीय मुक्केबाजी दल के साथ आठ सदस्यीय सहयोगी स्टाफ होगा, जिसमें महिला हाई परफार्मेंस निदेशक सैंटियागो नीवा और पुरुष मुख्य कोच सी.ए. कुट्टप्पा शामिल हैं।

20 सदस्यीय बैडमिंटन दल में राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद के अलावा इंडोनेशिया के इरवांशाह और मलेशिया के तन किम हर जैसे विदेशी कोच भी शामिल हैं।

टेबल टेनिस के कोचिंग दल में सौम्यदीप राय का नाम भी शामिल है। उन्हें टोक्यो ओलंपिक के बाद शीर्ष खिलाड़ी मनिका बत्रा द्वारा लगाए गए मैच फिक्सिंग के आरोपों के बाद पद से हटा दिया गया था।

गृह कलह को शांत करेंगे ये उपाय

गृह कलह के यूं तो बहुत सारे कारण होते हैं, लेकिन ज्योतिष एवं वास्तु की दृष्टि से गृह कलह ग्रहों के दोषपूर्ण या अशुभ दशा होने अथवा भवन में एक या अनेक वास्तु दोष होने से भी गृह कलह उत्पन्न होने की संभावना बनी रहती है। ज्योतिष में गृह कलह का निवारण संभावित गृह कलह के निवारण के लिए वर-कन्या के विवाह से पहले अगर सही तरीके से कुंडली में गुणों का मिलान करवा लिया जाये तो अच्छा रहता है। फलित ज्योतिष के अनुसार मंगल, शनि और राहु ग्रहों के विभिन्न भावों में बैठे होने से उन भावों से सम्बंधित रिश्तों में मतभेद और कलह देखा जा सकता है। इसके निवारण के लिए उस दोषपूर्ण ग्रह से सम्बंधित वस्तुओं का दान करने, मंत्र जप, पूजा-पाठ, रत्न या रुद्राक्ष धारण करने से लाभ मिलता है।

» घर-परिवार में सुख-शांति और प्रेम भाव बनाए रखने के लिए भोजन बनाते समय सबसे पहली रोटी के बराबर चार टुकड़े करके एक गाय को, दूसरा काले कुत्ते को, तीसरा कौए को खिलाना चाहिए तथा चौथा टुका किसी चौराहे पर रख देना चाहिए। घर के पूजा घर में अशोक के सात पत्ते रखें। उनके मुरझाने पर तत्काल नए पत्ते रखकर पुराने पत्ते पीपल के वृक्ष नीचे रखने से गृह कलह दूर होने लगता है।

» अगर परिवार में कलह के कारण मानसिक तनाव और परेशानी हो रही हो तो एक पतंग पर अपनी परेशानी लिखकर सात दिनों तक उसे उड़ाकर छोड़ देने से समस्या का समाधान होता है। पति और पत्नी के बीच झगड़ा होता हो तो घर में विधि-विधान से स्फटिक के शिवलिंग स्थापित करके इकतालीस दिनों तक उस पर गंगा जल और बेल पत्र चढ़ाएं तथा ' ? नम: शिवशक्तिस्वरूपाय मम गृहे शांति कुरु कुरु स्वाहा' मंत्र का ग्यारह माला जप करने से झगड़ा शांत होने लगता है।

» छोटी-छोटी बातों पर होने वाले विवादों को रोकने के लिए

केवल सोमवार अथवा शनिवार के दिन गेहूं पिसवाते समय एक सौ ग्राम काले चने भी मिलवाएं। इस आटे की रोटी खाने से भी गृह कलह दूर होता है।

» यदि चंद्र ग्रह के अशुभ या दूषित होने से परिवार में अक्सर कलह रहती है तो इसके लिए रविवार रात में अपने सिरहाने स्टील या चांदी के एक गिलास में गाय का थोड़ा सा कच्चा दूध रखें और प्रात:काल उसे बबूल के पेड़ पर चढ़ा दें।

» इन उपायों के साथ-साथ घर में बबूल की धूनी देने, गणेश एवं पार्वती की आराधना करने, चींटियों को शक्कर डालने, पूर्व दिशा की ओर सिरहाना करके सोने, हनुमान जी की उपासना करने, सेंधा नमक मिश्रित पानी से घर में पोछा लगाने आदि से भी गृह कलह दूर होकर शांति बनी रहती है।

» वास्तु शास्त्र के अनुसार भी अगर भवन में कोई वास्तु दोष है तो गृह कलह संभव है। इसके लिए घर के प्रवेश द्वार के सामने यदि कोई पेड़ नुकीला कोना, मंदिर की छाया, हेंड पंप आदि हैं तो उन्हें या तो हटवा दें अथवा अपने द्वार को सरकवा दें।

» घर के अंदर युद्ध, डूबती नाव, जंगली जानवर, त्रिशूल, भाले आदि के चित्र अथवा प्रतिमा रखने से बचें। बेडरूम में दर्पण ऐसी जगह लगाएं जहां से सोते समय अपना प्रतिबिंब न दिखाई दे।

» अगर घर की दीवारों का प्लास्टर उखड़ा हुआ है तो उसे तत्काल ठीक कराएं। भवन में किचन उत्तर-पश्चिम दिशा में न रखें अन्यथा गृह कलह होने की संभावना बनी रहेगी।

मोटापे से बढ़ जाता है लिवर का खतरा

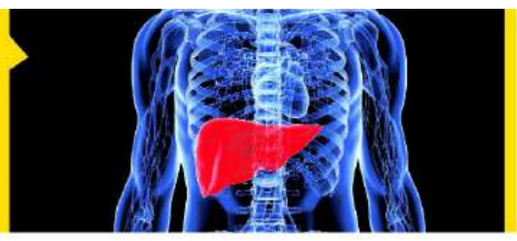

मोटापे से किशोरों में लिवर संबंधी गंभीर बीमारी या उम्र बढ़ने के साथ यकृत कैंसर के होने का खतरा ज्यादा रहता है। शोधकर्ता ने अपने निष्कर्ष में बताया कि सामान्य वजन वाले पुरुषों की तुलना में मोटापाग्रस्त पुरुषों में उम्र बढ़ने के साथ लिवर की बीमारी होने की संभावना दोगुने से ज्यादा होती है। मोटापा और टाइप 2 मधुमेह वाले पुरुषों में समान्य लोगों की तुलना में लिवर की समस्या होने की संभावना तीन गुनी ज्यादा होती है।

बीयर बुरी नहीं आपकी सोच है बुरी

बीयर पीना या न पीना आपकी इच्छा पर निर्भर करता है। लेकिन, हम यहां आपको बता रहे हैं कि ऐसे कारण जिन्हें पढ़कर आपको ज्ञात होगा कि अगर इसका सेवन संतुलित मात्रा में किया जाए तो बीयर आपके लिए क्यों नुकसानदेह नहीं है। याद रखें, हम आपको बीयर पीने के लिए प्रेरित नहीं कर रहे। अगर आप शराब नहीं पीते या आपको कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिये।

बीयर पीने वाले लंबा जीते हैं

संतुलित मात्रा में बीयर पीना आपकी सेहत के लिए अच्छा होता है। हां, ज्यादा मात्रा जरूर आपकी सेहत बिगाड़ सकती है। अगर आप ज्यादा पीते हैं, तो आपको कैंसर जैसी कई खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं, लेकिन अगर आप बिलकुल ही नहीं पीते, तो यह भी आपकी सेहत के लिए अच्छा नहीं। कई शोध यह बता चुके हैं कि संतुलित मात्रा में पीने वाले, ज्यादा पीने वालों या बिलकुल ही न पीने वालों की अपेक्षा अधिक लंबा जीवन जीते हैं। बीयर संतुलित मात्रा में पीने के लिए उपयुक्त है। इसमें एल्कोहल की मात्रा वाइन और व्हिस्की आदि की अपेक्षा कम होती है।

कुदरती होती है बीयर

कुछ लोग मानते हैं कि बीयर में कई प्रिजरवेटिव मिलाये जाते हैं। लेकिन, सच्चाई यह है कि बीयर ओरेंज जूस जितनी ही कुदरती होती है। और कई मामलों में उनसे भी ज्यादा। क्योंकि पैक्ड ओरेंज जूस और मिलावटी दूध के नुकसानों के बारे में हम जानते ही हैं। बीयर को प्रिजरवेटिव की जरूरत नहीं होती। इसमें एल्कोहल और होप्स होता है। ये दोनों ही कुदरती प्रिजरवेटिव हैं। बीयर को बनाने की प्रक्रिया ब्रेड जैसी ही है। इसे भी पकाया और किण्वित किया जाता है।

अटैक से बचाये रेड वाइन के अलावा डार्क बीयर में काफी अधिक मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। वाइन अन्य एल्कोहोलिक पेय पदार्थों के मुकाबले अधिक फायदेमंद है। एक रिपोर्ट के मुताबिक रोजाना तीन ड्रिंक पीना दिल की बीमारियों के खतरे को 24.7 फीसदी तक कम कर सकती है।

कोलेस्ट्रॉल स्तर में सुधार

बीयर में कोलेस्ट्रॉल नहीं होता, लेकिन यह आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सुधारती है। संतुलित मात्रा में बीयर का सेवन करना शरीर में गुड और बेड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित करती है। बीयर शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाती है।

विटामिन बी होता है भरपूर

बीयर और खासकर अनफिल्टर या लाइट बीयर, बहुत ज्यादा पौष्टिक होती है। बीयर में विटामिन बी के सभी रूप उच्च स्तर में होते हैं। इसमें फॉलिक एसिड होता है जो हार्ट अटैक से बचाने में मददगार होता है। बीयर में घुलनशील फाइबर होता है, जो आपको रोजमर्रा के काम करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा देता है। इसके साथ ही यह फाइबर हमारे शरीर में जमा अतिरिक्त वसा और गंदगी को निकालने में मदद करता है।

पानी से अधिक सुरक्षित है बीयर

अगर आप किसी ऐसे स्थान पर हैं, जहां आपको पानी न पीने की सलाह दी जाती है, तो आप बीयर पी सकते हैं। यह ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। बीयर को उबालकर बनाया जाता है। इसके बाद सीलबंद होने तक इसमें स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। यदि यह स्वच्छ न होती, तो शायद इसे बेच पाना भी असंभव होता। अगर बीयर बुरी भी हो, तो उसमें कोई जानलेवा बैक्टीरिया नहीं होता। तो, आप बेफिक्र होकर बीयर पी सकते हैं। यह पानी से सुरक्षित होती है।

कैंसर से लड़े

बीयर का सबसे कमाल का फायदा यह है कि यह कैंसर से लड़ने में मददगार होती है। बीयर बनाने में इस्तेमाल होने वाले पौधे होप्स में एक्सनथोहूमोल पाया जाता है, जो कैंसर से लड़ने में मदद करता है। यह एंटी-ऑक्सीडेंट केवल और केवल बीयर में ही मिलता है।

बीयर से पेट नहीं निकलता

पेट निकलने और बीयर के सेवन के बीच कोई समानता नहीं है। आमतौर पर माना जाता है कि बीयर पीने वाले, बीयर न पीने वालों की अपेक्षा अधिक मोटे होते हैं। कई शोध तो यह दावा करते हैं कि संतुलित मात्रा में बीयर पीने वाले लोगों का पेट और वजन बीयर न पीने वालों की अपेक्षा कम होता है।

कैलोरी की मात्रा है कम

बीयर में कैलोरी बहुत कम होती है। इसमें कार्बोहाइड्रेट बहुत कम होता है। वसा या कोलेस्ट्रॉल बिलकुल नहीं होती। लगभग 12 औंस बीयर में 156 कैलोरी के साथ 14 एमजी सोड़ियम, 0 वसा, 12.6 ग्राम कार्बोहाइड्रेट और 1 प्रतिशत कैल्शिम पाया जाता है।

किडनी में स्टोन नहीं होता

शोध के अनुसार बीयर पीने से पथरी होने का खतरा कम हो जाता है। 40 % बीयर पीने वाले लोगों में किडनी स्टोन होने का खतरा उन लोगों के मुकाबले काफी घट गया था। जो बीयर नहीं पीते थे। हालांकि शोधकर्ता यह निर्धारित नहीं कर सके। कि बीयर में ऐसी कौन सी चीज शामिल थी। जिसकी वजह से यह हो सका किडनी स्टोन में असहनीय दर्द होता है।

जींस खरीदते वक्त बिना दुकानदार की बातों में आएं इन बातों का रखे विशेष ख्याल

हममें से ज्यादातर लोग ऐसे होंगे जो अपना अधिकांश समय जींस पहने-पहने ही बिताते हैं. जींस की लोकप्रियता का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि आज के समय में ये हर किसी की आलमारी का हिस्सा बन चुकी है. इसे पहनना काफी आरामदेह है।अगर आप जींस का इस्तेमाल रोजाना करते हैं तो आपको एक ऐसी जींस चाहिए, जो कंफर्टेबल भी हो साथ ही टिकाऊ भी। इन सब के साथ अगर जींस का लुक अच्छा हो तो यह आपके आउटफिट में चार-चांद लगा सकता है। परफेक्ट जींस खरीदना एक चैलेंज जैसा ही है। ये टिप्स आपको एक परफेक्ट जींस खरीदने में मदद करेंगे।

फैब्रिक पर ध्यान दें

जींस खरीदने से पहले फैब्रिक को अच्छी तरह से छूकर देख लें। इससे आपको फैब्रिक की क्वालिटी का पता चल जाएगा। फैब्रिक की क्वालिटी पता करने में जल्दबाजी ना करें। जींस खरीदने से पहले उसके देश और ब्रांड के बारे में जान लें। वैसे जर्मनी के जींस की क्वालिटी काफी अच्छी मानी जाती है।

कॉटन मिक्स हो

जीन्स खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि उसमें 80 से 100 प्रतिशत तक कॉटन मिक्स हो। ऐसी जीन्स की फिटिंग काफी अच्छी होती है। कई छोटे-मोटे ब्रांड कुछ और फैब्रिक को भी जीन्स के साथ मिक्स कर देते हैं, जैसे स्पैंडेक्स, जो देखने में तो अच्छी लगती है लेकिन फिटिंग में बेकार होती है। अगर जींस लिनेन मिक्स भी हो तो भी एक परफेक्ट फिट देती है।

कम्फर्ट जोन से बाहर निकलें

हमेशा एक जैसी जींस मत खरीदिये। कम्फर्ट जोन से बाहर निकलें और कुछ नया ट्राय करें। ज्यादातर लोग एक ही तरह की जींस पहनते हैं। जबकि ये गलत है। इससे साइज का पता नहीं चलता। जबकि हर उम्र में शरीर का साइज बदलता है तो ऐसे में जरूरी है कि जींस का साइज हमेशा बदलते रहें।

स्टाइल और डिजाइन

समय के साथ कई स्टाइल्स ट्रेंड बन जाते हैं। हम आपको बताना चाहते हैं कुछ ऐसे स्टाइल्स जो आपको हमेशा इग्नोर ही करने चाहिए। जैसे आपकी बैक पॉकेट डिजाइन वाली न हो, ड्रमाटिक वॉश पैटर्न न हो। साथ ही ओवर डिजाइन न हो। डिजाइन सिंपल हो और उसका लुक क्लासिक हो।

ऑकेजन का रखें ध्यान

जींस चुनने से पहले आपको इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि आप किस उद्देश्य के लिए खरीदारी कर रहे हैं। ऑफिस में कैजुअल थीम के लिए या फिर दोस्तों के साथ डे-आउट के लिए। अगर आप ऑफिस के लिए चुन रहे हैं तो आपकी जींस सिंपल और क्लासी होनी चाहिए। अगर दोस्तों के साथ डे-आउट पर जा रहे हों तो आप नैरो फिट जींस भी ट्राई कर सकते हैं।

मस्तिष्क के दोनों भागों को सक्रिय करने के तरीके

एक अवधारणा रही है कि मनुष्य अपने दिमाग का प्रयोग शत-प्रतिशत नहीं कर पाता है। लेकिन एक सिद्धांत की मानें तो मस्तिष्क के दो भाग होते हैं, दोनों भाग स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं तथा आपस में लगभग 200 मिलियन नर्व फाइबर्स से जुड़ होते हैं, इसे कारपस केलोसम' नाम से जाना जाता है। इसका मुख्य कार्य है मस्तिष्क के एक भाग से दूसरे भाग को यह कहना है कि वह क्या कर रहा है। मस्तिष्क के ये दोनों भाग देखने में एक-दूसरे के प्रतिबिम्ब लगते हैं, परन्तु उनके कार्यों में काफी अंतर होता है। सामान्यतया मस्तिष्क के दोनों अंग सक्रिय नहीं होते हैं, इसे सक्रिय करने के लिए ये तरीके आजमायें।

शांत और स्थिर मन

मस्तिष्क के दांयें और बांयें हिस्सों के बीच सामंजस्य बढाने का एक सबसे अच्छा तरीका यह है कि अगर कोई इंसान अपने स्थूल शरीर को शांत और स्थिर रख सकता है, तो शरीर की निश्चलता की इस स्थिति में मस्तिष्क एक बड़े पैमाने पर जुड़ जाता है। इससे किसी भी चीज को जल्दी और आसानी से सीखा जा सकता है।

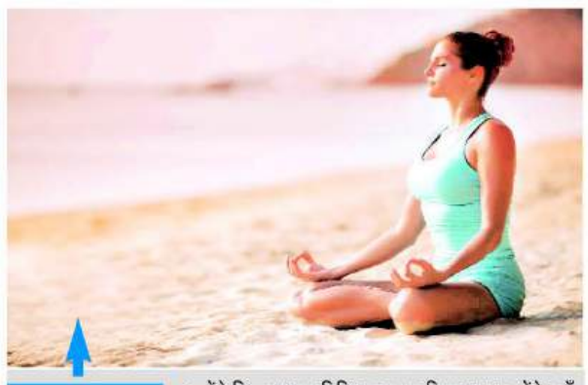

सिल्वा ध्यान उन्होंने सिल्वा ध्यान विधि का प्रचार किया था। उन्होंने बाएँ हाथ से काम करने वालों को मस्तिष्क के बाएँ हिस्से पर चेतन मन को आँखें बंद करके पहुँचाने और एकाग्रता करने के लिए सचेत किया था। उसी प्रकार जो व्यक्ति दाहिने हाथ से कार्य करते हैं, उन्हें दाहिने मस्तिष्क के भाग पर चेतन मन को केंद्रित करके ध्यान करने की विधि बताई थी।

प्राणायाम प्राणायाम करते समय दोनों स्वर (नाक के भाग) चलने स मस्तिष्क के दोनों भागों को प्राणवायु का संचार होने लगता है और मस्तिष्क के दोनों भाग समान रूप से उन्नत होते हैं। प्राणायाम में अनुलोम-विरोम, सूर्यभेदि प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम एवं उज्जयी प्राणायाम मस्तिष्क के विकास में अत्यधिक मदद करते है।

ध्यान के फायदे ध्यान से मस्तिष्क दोनों के भाग का संपूर्ण विकास होकर तनाव निर्माण करने वाले हार्मोंस कम बनते हैं और उपयुक्त हार्मोन्स जैसे मेलाटोनीन, सायटोसीन, डोपामीन और ऑक्सीटोसिन का अधिक निर्माण होने से क्रियाशीलता, नूतन विचार, समस्याओं का हल, प्रेमभाव, समझने की शक्ति, कार्य करने की इच्छा आदि बढ़ने लगती है।

रेसिपी

मखाना चिक्की

सामग्री

मखाने - 100 ग्राम
घी - 200 ग्राम
चीनी - 500 ग्राम
दूध - 1 बड़ा चम्मच

विधि

सबसे पहले सारे मखानों को चार टुकड़ों में काट लीजिए। कड़ाही में घी डाल कर गर्म कीजिए। इसमें थोड़े-थोड़े मखाने डालकर हल्के गुलाबी होने तक तल कर निकाल लीजिए। सारे मखाने को ऐसे ही तल कर रख लीजिए। चाशनी बनाने के लिए कड़ाही में शक्कर और इसका एक तिहाइ पानी डालकर गर्म कर लें। शक्कर घुल जाने के बाद इसमें दूध डाल दीजिए। जब भूरे रंग के झाग ऊपर उठने लगे तो चम्मच की मदद से झाग को बाहर निकाल दीजिए। इस प्रकार गाढ़ी चाशनी तैयार कर लीजिए। अब इस चाशनी में तले हुए मखाने डालकर कलछी से चलाते हुए मिलाइये। इस मिश्रण को घी लगे हुए थाली में निकालकर फैला दीजिए। थोड़ी ही देर में ये जम जाता है। इसे टुकड़ों में काट तक एयर टाइट कंटेनर में रख लीजिए। इसे आप काफी दिनों तक रख सकते हैं।

दही अरबी

सामग्री

अरबी - 250 ग्राम, दही - 150 ग्राम (3/4 कप), तेल - 1-2 चम्मच, अजवायन - आधी छोटी चम्मच, हींग - 1-2 पिंच, हरी मिर्च - 2-3 (बारीक कतरी हुई), हल्दी पाउडर-एक चौथाई छोटी चम्मच, धनियां पाउडर - आधी छोटी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच, नमक - स्वादानुसार, गरम मसाला - 1/4 छोटी चम्मच से कम, हरा धनियां - 1 एक बड़ा चम्मच

विधि

सबसे पहले अरबी को धो कर उबाल लीजिये। ठंडा करने के बाद इसे छील कर आधा इंच मोटे और गोल टुकड़ों में काट लीजिए। अब दही को अलग से फेंट लीजिए। इस एक बर्तन में रखकर इसमें अरबी डालें और एक से दो कप पानी मिला दें। इस मिश्रण को गैस पर रखकर तब तक उबालें जब तक सब्जी में उबाल ना आ जाए। उबल जाने पर सब्जी को चलाना बंद कर दें और इसमें नमक, धनिया पाउडर और गरम मसाला डाल दीजिए। तीन से चार मिनट तक पकने देने के बाद गैस बंद कर दें। अब एक छोटी कड़ाही में तेल गर्म करें और इसमें हींग और अजवायन डालें। इसके बाद इसमें हरी मिर्च, हल्दी पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डाल कर हल्का सा भूनें। इन सभी को अच्छे से मिला कर सब्जी में डाल कर अच्छे से मिक्स कर दें। दही अरबी तैयार है। धनिया की पत्ती से सजायें, इसे आप पूरी, पराठे के साथ सर्व करें।

ये हैं ग्रीन-टी पीने का सही समय

फिट रहने के लिए कई लोग ग्रीन-टी का सेवन करते हैं। यह शरीर की फिटनेस ही नहीं सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट शरीर का मोटापा कम करने में मदद करते हैं लेकिन कुछ लोग जल्दी पतले होने की चाह में दिन में कई बार इसका सेवन कर लेते हैं जिससे शरीर को नुकसान भी हो सकता है। इससे शरीर में आयरन की कमी हो जाती है और पेट की भी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसके लिए ग्रीन-टी सही समय और उचित मात्र में पीएं जिससे सेहत को फायदा मिले।

सही समय ग्रीन-टी पीने का सही समयग्रीन-टी से शरीर को फायदा पहुंचाने के लिए इसको सही समय पर पीना बहुत जरूरी है। भोजन करने से 1 या 2 घंटे पहले ग्रीन-टी का सेवन करें।

खाली पेटसुबह खाली पेट न पियें ग्रीन-टी पीने से मोटापा कम होता है इसलिए कई लोग इसे खाली पेट पीना पसंद करते हैं जिससे चर्बी जल्दी कम हो लेकिन खाली पेट पीने से काफी नुकसान होता है। इसमें कैफिन होता है जिसे खाली पेट पीने से आंतों की कई समस्याएं हो जाती हैं।

गर्म पानी गर्म पानी

कुछ लोग ग्रीन-टी को आम चाय की तरह बना कर पीते हैं। इसमें दूध और शक्कर डालकर पीने से शरीर को कोई फायदा नहीं होता और न ही मोटापा कम होता है। इसके लिए हमेशा गर्म पानी का ही इस्तेमाल करें।

शहद जिस तरह गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने से वजन कम होता है उसी तरह ग्रीन-टी में भी शहद मिलाकर पीएं। ग्रीन-टी से पेट की पाचन शक्ति ठीक रहती है और शहद से पेट की चर्बी जल्दी कम होती है। ऐसे में इन दोनों का साथ में सेवन करने से काफी फायदा होता है।

एक दिन में केवल 2-3 कप-एक दिन में केवल 2-3 कपखाने के तुरंत बाद कभी भी ग्रीन-टी का सेवन न करें। इसके अलावा दिन में कम से कम 2-3 कप ग्रीन-टी ही पीएं। इसके अधिक सेवन से लीवर को नुकसान होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**